A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 22 अगस्त, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 296, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अगस्त : भारत के इतिहास के उन ओझल पन्नों की याद

उमेश चतुर्वेदी

यूरोपीय देशों की सभ्यता की इतिहासकार जब भी चर्चा करते हैं, ब्रिटिश और फ्रेंच समाज को सबसे ज्यादा सुसंस्कृत माना जाता है। लेकिन ब्रिटिश समाज कितना सभ्य था, इसे भारत में किए उसके दमन से समझा जा सकता है।

अगस्त का महीना हमारी आजादी के इतिहास को ही समेटे नहीं है, बल्कि इस महीने के साथ कई क्रांतियों का गौरवमयी इतिहास भी समाहित है। तारीख में उन घटनाओं को तवज्जो तो मिली है, लेकिन भावी इतिहास के संदर्भ में उनके असर को अहमियत नहीं दी गई है। बलिया, तामलुक और सतारा की क्रांतियों और वहां स्वाधीन भारत से पहले ही सुराजी या स्थानीय सरकार की स्थापनाओं ने भावी इतिहास पर कितना असर डाला, इस नजरिए से उन्हें नहीं देखा-समझा गया।

नौ अगस्त 1942 की सुबह मुंबई में कांग्रेस के पूरे शीर्ष नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए आ रहे वालंटियर और कार्यकर्ताओं को या तो रास्तों के स्टेशनों पर ही उतार दिया गया या फिर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पहले की रात को कांग्रेस 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव स्वीकार कर चुकी थी। संदर्भ के लिए बता दें कि 'भारत छोड़ो' का नारा कांग्रेस में सक्रिय समाजवादी धड़े के युवा नेता युसूफ मेहर अली ने दिया था। चूंकि आज की तरह उन दिनों संचार के माध्यम नहीं थे, लिहाजा गांधी, नेहरू, पटेल समेत तमाम कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी की खबरें देर से देश के सुदूरवर्ती इलाकों में पहुंचीं। जैसे-जैसे ये जानकारी पहुंची, इलाकों में अंग्रेज सरकार के खिलाफ बढ़ता चला गया।

यूरोपीय देशों की सभ्यता की इतिहासकार जब भी चर्चा करते हैं, ब्रिटिश और फ्रेंच समाज को सबसे ज्यादा सुसंस्कृत माना जाता है। लेकिन ब्रिटिश समाज कितना सभ्य था, इसे भारत में किए उसके दमन से समझा जा सकता है। दिलचस्प यह है कि बयालिस की क्रांति के दौरान ही दूसरा विश्व युद्ध जारी था। यूरोप में हिटल को नाजी बताकर ब्रिटिश सेनाएं उसके विरोध में युद्धरत थीं। तब जर्मन शासक हिटलर यूरोप की नजर में असभ्य था। हिटलर को असभ्य और अमानवीय बताने वाली ब्रिटिश सरकार भारत में उन्हीं दिनों हिटलर जैसा ही कहर ढा रही थी। इतिहास में बयालिस की क्रांति और अंग्रेजों के दमन को इस नजरिए से भी कभी व्याख्यायित नहीं किया गया।

बयालिस के आंदोलन के दौरान अंग्रेजों का दमनचक्र हर उस इलाके में पूरी क्रूरता के साथ चला, जहां के लोगों ने सुराज के लिए आवाज बुलंद की। बलिया को कुछ ज्यादा ही दमनचक्र से गुजरना पड़ा। इसकी वजह यह रही कि बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया। 18 अगस्त को बैरिया, रसड़ा, सुखपुरा आदि जगहों पर हुई अंधाधुंध गोलीबारी और उसमें नौजवानों और छात्रों के बलिदान से बलिया का खून खौल उठा। तकरीबन करीब दस लाख की आबादी सड़कों पर उतर आई। रेलवे लाइनें उखाड़ डाली गईं, थाने और तहसील लूट लिए गए। दिलचस्प यह है कि तब बलिया के कलेक्टर कोई अंग्रेज नहीं, भारतीय जगदीश्वर चंद्र निगम थे। लोगों का गुस्सा इतना बढ़ा कि निगम को हारकर बलिया जेल में बंद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चित्तू पांडेय को छोड़ना पड़ा। 19 अगस्त के दिन बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया और चित्तू पांडेय उस सरकार के मुखिया बने, जबकि क्रांतिकारी महानंद मिश्र पुलिस प्रमुख। इस आजादी के बाद जिस व्यवस्था ने पांच-छह दिनों तक व्यवस्था चलाई, उसे 'सुराजी सरकार' नाम दिया गया था।

बलिया के साथ मिदिनापुर के तामलुक और महाराष्ट्र के सतारा में भी ऐसी ही देसी सरकारें बनीं। तीनों जगह पांच से लेकर हफ्तेभर में अंग्रेजी हुकूमत ने कब्जा कर लिया और उसके बाद जो दमन चक्र चला, सिहरन के साथ उसे याद करने वाली पीढ़ी भी अपनी उम्र पूरी करके दुनिया को विदा कह चुकी है। इसके बावजूद वह दमन बलिया के लोगों के रगों में आज भी दौड़ रहा है।

ब्रिटिश 23 अगस्त की रात में संयुक्त प्रांत के ब्रिटिश गवर्नर हैलेट ने बनारस के कमिश्नर नेदर सोल को बलिया का प्रभारी जिलाधिकारी बना कर बलूच फौज के साथ भेजा..इसी दिन दोपहर में बक्सर की ओर से जलमार्ग से मार्क स्मिथ और 24 अगस्त की सुबह आजमगढ की ओर से कैप्टन मूर के नेतृत्व में ब्रिटिश फौज बलिया पहुंची और फिर वह बलिया में हिटलर की नाजी सेना बन गई। दमन के आगे निहत्थी जनता कितने दिन तक टिकती। बलिया का सत्ता हस्तांतरण खारिज करके उस पर ब्रिटेन का कब्जा कर लिया गया। हैलट ने ब्रिटिश भारत के सचिव को अगस्त 42 के आखिर में बलिया पर कब्जे का टेलीग्राम भेजा और बीबीसी ने इस पर खबर प्रसारित की।

बलिया की आजादी और हिंसा को लेकर सवाल भी उठाए गए। जाहिर है कि सवाल उठाने वाले ब्रिटिश सभ्यता पोषक ही थे। लेकिन अहिंसा के पुजारी गांधी ने उन सवालों को खारिज कर दिया था। उन्होंने बलिया की घटनाओं के लिए ब्रिटिश सरकार के दमन और अत्याचार को ही जिम्मेदार बताया था। अहमदनगर जेल से छूटते ही बलिया को लेकर जवाहर लाल नेहरू ने जो कहा था, वह भी अहम है। उन्होंने कहा था कि उस हालात में वे भी ऐसा ही करते, जैसा बलिया वालों ने किया।

इस घटना के दो दशक पहले असहयोग आंदोलन के दौरान भी बलिया पर ब्रिटिश सरकार के अत्याचार झेलने पड़े थे। गांधी जी को इसकी रिपोर्ट उनके सबसे छोटे बेटे देवदास गांधी ने भेजी थी, जिसके आधार पर गुजराती नवजीवन में गांधी जी ने बलिया पर लेख लिखा था। पूरी दुनिया बलिया को अक्खड़ बताती है, लेकिन इस लेख में गांधी जी बलिया वालों को सज्जन बताते हैं। 1925 में बलिया पहुंचे जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि वे बलिया की सरजमीं को चूम लेना चाहते हैं।

इतिहास को बदलने में इन घटनाओं की अहम भूमिका रही है। इनके चलते आंदोलनकारी इलाकों ने इतिहास ही नहीं, बाद के दौर में भी कीमत चुकाई है। यह कीमत कभी पिछड़ापन के रूप में दिखती है तो कभी मूल्यांकन की कमी के रूप में। इतिहास की खासियत है कि वह नए संदर्भों में फिर से नए सिरे से उठ खड़ा होता है। यह इतिहास उठ रहा है और अपना हक मांग रहा है।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

'कोटे पर कोटा' का विरोध, बंद रहा भारत

- एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर के विरोध में जबरदस्त संग्राम
- बिहार में ट्रेनें रोकीं, पटना में लाठीचार्ज, यूपी में भारी बवाल
- राजस्थान के 16 जिलों में स्कूल बंद, पुलिस से हुआ टकराव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की इजाजत देने के खिलाफ बुधवार को दलित-आदिवासी संगठनों ने 14 घंटे का भारत बंद बुलाया है। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। बिहार में बंद का सबसे ज्यादा असर दिख रहा है। वहीं राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में इसको लेकर अलर्ट है। कांग्रेस, डीएमके, सपा, बसपा, आरजेडी, झामुमो समेत कई दलों ने बंद का समर्थन किया है। 9 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि अनुसूचित जाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं किया जाएगा। 1 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने टिप्पणी की थी कि एससी-एसटी में भी क्रीमी लेयर लागू करने पर विचार करना चाहिए। इसे लेकर दलित सांसदों ने पीएम से मिलकर अपनी चिंता जताई थी। यूपी के जालौन में प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। सीओ को धक्का दे दिया।

म.प्र.में बीजेपी डेढ़ करोड़ नए सदस्य बनाएगी

सीएम यादव बोले–सरकार की समितियां बनेंगी, मौका है सदस्यता कराकर काम दिखाओ

भोपाल (नप्र)। बीजेपी के सदस्यता अभियान में बीजेपी मप्र में डेढ़ करोड़ नए सदस्य बनाएगी। मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर मंत्री, सांसद, विधायक सहित तमाम पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि सदस्यता अभियान में लोगों को सदस्यता दिलाएंगे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, सीएम मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, फग्गन सिंह कुलस्ते, डॉ वीरेंद्र खटीक, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद और सतीश उपाध्याय मौजूद रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, प्रदेश की जनसंख्या का आधा वोट बैंक भाजपा का होना चाहिए। इस बार हारी हुई विधानसभा के गली–मोहल्लों और कॉलोनियों को टारगेट करना है सीएम ने कहा अभी तुरंत बाद बहुत सारी समितियां बनने वाली हैं। रोगी कल्याण समिति, जनभागीदारी समिति, एल्डरमैन ऐसे बहुत सारे काम सरकार के विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़कर अभी आने वाले हैं। अब अपने पास मौका है आप सदस्यता करके बताओ। आप आगे बढ़ो हम आपके पीछे चलेंगे। चुने हुए जनप्रतिनिधियों को भी मौका मिल जाएगा। लोग बड़ी–बड़ी बातें करते हैं जो रसीद कट्टे दिए थे उनका क्या किया। सदस्यता काम का आधार भी बनेगी।

सीएम बोले– हारी हुई 16 सीटों पर फोकस– सीएम ने कहा, इस बार विधानसभा चुनाव में 230 में से 165 सीट जीते। 16 सीटें ऐसी हैं, जहां हमें काम करने की जरूरत है। हमें देखना है कि कौन सी कॉलोनी, मोहल्ले अछूते रह गए। जिस तरह एयरपोर्ट पर एस्केलेटर चलता है, एक कदम रखो, तो वह खुद ही ऊपर ले जाता है। इसी तरह अपने काम को संगठन से एस्केलेटर की तरह जोड़ें।

हम अपनी गति बढ़ें, तो खुद ही समाज की स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। त्योहारों पर हम समाज में आगे बढ़ेंगे, तो फायदा मिलेगा। मंत्री, विधायक और सांसद सब मिलकर केवल सदस्यता का काम करेंगे। हम भी प्रवास के दौरान सिर्फ सदस्यता पर ही काम करेंगे। इसके अलावा, कोई टारगेट नहीं है। अब अपने पास मौका है।

सुप्रभात

सुनो !
जब जब सूखने लगे ,
जिम्मेदारियों के बोझ से,
निर्झर बहती हमारे प्रेम की नदी,
तो तुम कुछ स्नेह वर्षा की बूंदों की,
तरह आना और बुझा देना ,
इस ग्रीष्मता को ,
उस सोंधी महक से ,
खिल उठेगा मन ।
सुनो !
जब जीवन की भागदौड़ में,
वक्त को भी जब वक्त न मिले ,
तो तुम आना कुछ इंद्रधनुष की तरह ,
और भर देना रंग कुछ ,
जीवन के चलचित्र में,
भर देना शुष्कता को
सावन की तरलता में ।

– वंदना शरद

बड़ी खुशखबरी! चंद्रयान 4 और 5 का डिजाइन तैयार

- इसरो चीफ बोले-5 साल में 70 सैटेलाइट लॉन्चिंग की संभावना, सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब इसरो चंद्रयान 4 और 5 की तैयारी कर रहा है। इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने अगले चरण के मून मिशन के लिए डिजाइन तैयार कर लिया है। इसके लिए सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया चल रही है। इसमें चंद्रयान-4 मिशन में चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के बाद चंद्रमा के पत्थरों और मिट्टी को पृथ्वी पर लाना, चंद्रमा से एक अंतरिक्ष यान को लॉन्च करना, चंद्रमा की कक्षा में अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का प्रदर्शन करना और नमूनों को पृथ्वी पर वापस लाना शामिल है। सोमनाथ ने यह भी बताया कि इसरो की आगामी 5 सालों में 70 सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना है। उन्होंने ये जानकारी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय अंतरिक्ष संघ के आयोजित कार्यक्रम में दी।

नदी में रेस्क्यू टीम की नाव पलटी, 2 जवान बहे

भिंड की कुंवारी नदी में फंसा था शख्स; एक ग्रामीण की डूबने से मौत

भिंड (नप्र)। भिंड में कुंवारी नदी में फंसे एक शख्स का रेस्क्यू करने उतरी एसडीईआरएफ टीम की नाव पलट गई। जिससे दो जवान बह गए। हादसा बुधवार शाम 6 से 7 बजे के बीच हुआ है। जवानों की तलाश की जा रही है।

गोकुल नाम के ग्रामीण ने बताया- एसडीईआरएफ की टीम आई। उन्होंने बोट जैसे ही नदी में डाली, तभी बोट भंवर में फंसकर पलट गई। बोट पर 4 लोग थे, जिनमें 3 जवान और 1 गांव का गोताखोर था। मौके पर मौजूद गांव के लोगों ने रस्सी के सहारे गोताखोर और एक जवान को बचा लिया। लेकिन, बाकी के दो जवानों की जैकेट निकल गई और वे गहराई में चले गए।

एसडीईआरएफ यूनिट के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट बृजमोहन के मुताबिक, जवान प्रवीण कुशवाहा और हरदास चौहान लापता हैं। दरअसल, देहात थाने के कचोंगरा गांव में कुंवारी नदी बहती है। इस पर चेकडैम भी बना हुआ है। गांव के गोकुल सिंह भदौरिया ने बताया, शाम के समय गांव के विजय सिंह राजावत (45) की गाय पानी में फंस गई। विजय उसे बचाने गया, लेकिन वह भी फंस गया। उसे बचाने के लिए उसका भाई सुनील पानी में गया, लेकिन विजय डूब चुका था। उसका शव बरामद किया गया। सुनील को जैसे-तैसे बचाया गया।

मुकेश अंबानी समुद्र के नीचे बनाएंगे केबल रूट

इंटरनेट स्पीड उड़ा देगी होश, पूरी दुनिया की होगी भारत पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सब सी केबल के बारे में आपने पहले सुना है। ये दो देशों के बीच डेटा सेंटर की तरह काम करता है और एक ऐसा कनेक्शन होता है जो समुद्र के अंदर से होकर गुजरता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि अब इस पर जियो और एयरटेल ने काम करना शुरू कर दिया है। अभी तक आप बीएसएनएल 5जी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, लेकिन सुनील मित्तल और मुकेश अंबानी के इस बिजनेस प्लान के बारे में जानकर पूरी तरह हैरान होने वाले हैं। क्योंकि इसमें इंटरनेट स्पीड बूस्ट करने पर काफी तेजी से काम किया जा रहा है। आज हम आपको इस प्लान के बारे में जानकारी देने वाले हैं। साथ ही बताएंगे कि आखिर ये प्लान काम कैसे करता है। साथ ही इसमें मिलने वाली इंटरनेट स्पीड कितनी होने वाली है। एयरटेल और जियो ने इसको लेकर बड़ा फैसला लिया है और तीन कंपनियां भारत में सब सी केबल लेकर भी आ

रही हैं और इसमें मुंबई, चेन्नई सबसे अहम केंद्र होने वाला है। भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी की पूरी तस्वीर बदलने वाली है। क्योंकि तीन बड़ी कंपनियों की तरफ से इस प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। रिपोर्ट की मानें तो आईएएक्स और आईईएक्स कंपनियों के नाम हैं और ये अक्टूबर या अगले मार्च तक आ सकता है। अगर ये नेटवर्क आ जाता है तो मौजूदा कैपेसिटी की चार गुना स्पीड मिलने वाली है। जियो के निवेश वाली आईएएक्स और आईईएक्स का लैंडिंग स्टेशन मुंबई और चेन्नई में होने वाला है। इससे दुनिया की टेलीकॉम मार्केट में भारत का कद बहुत ज्यादा बढ़ने वाला है। आईईएक्स की कैपेसिटी की बात करें तो ये 200 टीबीपीएस होने वाली है और ये पर्शियन गल्फ से होकर गुजरेगा। ये यूरोप तक को भी कवर करेगा और इसकी शुरुआत मुंबई से होगी, जिसके बाद ये कंपनी 9,775 किलोमीटर का एरिया कवर करेगी जो काफी खास होने वाली है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 22 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बदलापुर कांड

24 अगस्त को एमवीए का महाराष्ट्र बंद का ऐलान

300 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर, 72 अरेस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में 2 बच्चियों के साथ यौन शोषण मामले में राज्य सरकार ने बुधवार, 21 अगस्त को स्कूल के लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया है। इस घटना के खिलाफ 20 अगस्त को हजारों की भीड़ बदलापुर के लोकल ट्रेन के रेलवे ट्रैक पर उतर आई थी। 10 घंटे तक तोड़फोड़ और पुलिस पर पथराव किया था। करीब 17 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने देर रात करीब 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। अब तक 72 लोगों को अरेस्ट किया। आज भी बदलापुर में इंटरनेट और स्कूल बंद हैं। उधर, मामले की जांच के लिए आरती सिंह के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा और सरकारी वकील उज्ज्वल निकम होंगे। आरोपी को 26 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया

गया है। वहीं, महाविकास अघाड़ी ने 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया है। घटना 12 और 13 अगस्त की है। आदर्श स्कूल में 23 साल के स्वीपर अक्षय शिंदे ने दोनों बच्चियों का यौन शोषण किया। इसके बाद दोनों लड़कियां स्कूल जाने से डर रही थीं। माता-पिता को संदेह हुआ। उन्होंने लड़की को भरोसे में लेकर पूछताछ की तो बात सामने आई। एक पेरेंट ने उसी कक्षा की दूसरी लड़की के माता-पिता से संपर्क किया। जब डॉक्टर ने जांच की तो असल घटना सामने आई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शुभदा शितोले ने पॉक्सो का मामला होने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल की। बच्ची के माता-पिता ने सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से बदलापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। दो दिन बाद 16 अगस्त शुक्रवार देर रात केस दर्ज किया। 17 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी अक्षय 1 अगस्त को ही स्कूल में कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त हुआ था। बच्चियों के परिवार ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने में 12 घंटे से ज्यादा का वक्त लगाया था।

पटियाला में किसानों और पुलिस अधिकारियों की मीटिंग रही बेनतीजा

- शंभू बॉर्डर खोलने के मुद्दे पर हुई चर्चा, रास्ता हरियाणा पुलिस ने किया है बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। किसानों के आंदोलन के चलते शंभू बॉर्डर पिछले छह महीने से बंद है। इस कारण लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा को आंशिक रूप से बॉर्डर खोलने को कहा था। इसी सिलसिले में आज पटियाला में पंजाब पुलिस और किसानों के वरिष्ठ अधिकारियों की अहम बैठक हो रही है। मीटिंग में एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर अर्पित शुक्ला, शौहकत अहमद परें व हरियाणा के अधिकारी मौजूद रहे। इसमें इस मुद्दे पर मंथन हुआ। लेकिन मीटिंग में कोई नतीजा नहीं निकला है। वहीं, गुरुवार को इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। मीटिंग करीब एक घंटे तक चली। किसान किसानों ने मीटिंग में साफ कहा कि उन्होंने रास्ता नहीं रोका हुआ है। यह रास्ता हरियाणा सरकार व पुलिस की तरफ से रोका गया। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार रास्ता खोलती है तो खुशी

की बात है। लोगों को फायदा होगा और हम भी दिल्ली जाएंगे। डल्लेवाल ने कहा कि हरियाणा के अधिकारियों का कहना था आप व्हीकल लेकर दिल्ली न जाए लेकिन हमने सरकार का व्यवहार देखा है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

अब सीआईएसएफ ने संभाली आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा

कॉलेज का पूर्व अधिकारी हाईकोर्ट पहुंचा, की पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ ईडी जांच की मांग

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर की रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा सीआईएसएफ ने अपने हाथ में ले ली है। सीआईएसएफ के अधिकारी बुधवार को अस्पताल पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व डिप्टी सुपरिटेंडेंट अख्तर अली ने आज कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ याचिका लगाई है। अली ने घोष पर कार्यकाल

के दौरान वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है और ईडी से जांच कराने की मांग की है। उधर, सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे डॉक्टरों का प्रदर्शन 10वें दिन भी जारी है। कोलकाता, दिल्ली और अन्य शहरों में भी डॉक्टरों ने आज काम नहीं किया। एम्स दिल्ली ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कमेटी बनाई है। इसके अलावा बुधवार को कोलकाता में भाजपा और कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। ममता के खिलाफ पहली बार आम आदमी पार्टी ने भी पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

भारत की खातिर साथ आ सकते हैं दो कट्टर दुश्मन !

रूस, यूक्रेन... पीएम मोदी के दौरे से सेना को भी मिलेगी जोरदार ताकत

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन में चल रही भीषण लड़ाई के बीच पीएम मोदी यूक्रेन और पोलैंड की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। पीएम मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन में रहेंगे और राजधानी कीव में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। इस यात्रा के दौरान भारत और यूक्रेन के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने हैं। इसमें रक्षा, आर्थिक संबंध, साइंस और अत्याधुनिक तकनीक शामिल हैं। पीएम मोदी की यह यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब यूक्रेन की सेनाओं ने रूस के 1000 किमी के इलाके पर कब्जा कर लिया है। यूक्रेनी सेना रूस के अंदर 9 किमी तक घुसी हुई है। वहीं रूसी सेना अब चारों ओर से यूक्रेन की सेना को घेर रही है। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच पीएम मोदी कीव की यात्रा पर पहुंच रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी रूस की यात्रा पर गए थे और राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। दरअसल, भारत ने सोवियत जमाने में कई ऐसे हथियार खरीदे थे जो अब आधुनिक जमाने में यूक्रेन है। भारत अभी भी यूक्रेन से जिन रक्षा उपकरणों को खरीदता है, उसमें भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिए गैस टर्बाइन और एएन 32 मालवाहक एयरक्राफ्ट शामिल है जिसका इस्तेमाल इंडियन एयरफोर्स करती है। यही वजह है कि भारत के लिए यह फायदे का सौदा है कि वह यूक्रेन के साथ अपने मजबूत रक्षा संबंध बरकरार रखे। यूक्रेन की सरकारी कंपनी जोर्या माशप्रोइक्ट भारत की निजी सेक्टर की कंपनियों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से काम कर रही है। यही नहीं भारत और यूक्रेन विमान और प्लेन के इंजन भारत में बनाने के लिए भी बातचीत कर रहे हैं।

- रूस के बनाए भारतीय युद्धपोत में लगे यूक्रेनी इंजन

इसके अलावा साल 2018 में भारत और रूस के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत रूस ग्रिगोरोविच क्लास के दो फ्रीगेट नौसेना के लिए ले रहा है। साथ ही गोवा शिपयार्ड में भी दो और फ्रीगेट बनाया जाना है। रूस के इन युद्धपोतों पर यूक्रेन के गैस टर्बाइन लगने हैं। इस बीच साल 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे के बाद यूक्रेन ने इन इंजन को देने से इंकार कर दिया था। इसके बाद भारत ने यूक्रेन से सीधे समझौता किया और गैस टर्बाइन को खरीदकर उसे रूस को दे दिया। ये दोनों युद्धपोत अब रूस में तैयार हो गए हैं और उनका नाम तुशिल और तमाला है जो नेवी को दिया जा रहा है। दुर्भाग्य की बात यह है कि यूक्रेन के जिस प्लांट में गैस टर्बाइन को बनाया जाता है, उस पर रूस मिसाइल हमला कर चुका है। इसमें यूक्रेनी प्लांट को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे उत्पादन में दिक्कत आ रही है।

भारत एक बार फिर से बनेगा दुनिया की उम्मीद

- मंकीपॉक्स की वैक्सीन तैयार रहा सीरम इंस्टीट्यूट

मिलेगी अच्छी खबर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने दुनियाभर के देशों की मदद की थी। भारत ने खासतौर से गरीब देशों को न केवल कोविड वैक्सीन भेजीं बल्कि खाद्य सामग्री भेजकर भी महामारी से लड़ने में उनकी

मदद की थी। अब एक बार फिर से भारत दुनियाभर की उम्मीद बन सकता है। भारत के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह वर्तमान में मंकीपॉक्स के लिए वैक्सीन बनाने पर काम कर रहा है। एमपॉक्स (जिसे पहले मंकीपॉक्स कहा जाता था) निकट संपर्क के माध्यम से फैल सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वायरस के नए प्रकार की पहचान के बाद गत 14 अगस्त को इस बीमारी के हालिया प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय रूप से चिंताजनक तथा सार्वजिक स्वास्थ्य आपात (पब्लिक हेल्थ इमरजेन्सी) घोषित किया था। यह कदम अफ्रीका के कुछ हिस्सों में मामलों में अचानक वृद्धि दर्ज किए जाने के बाद उठाया गया। भारत में, 2022 से अब तक लगभग 30 एमपॉक्स मामले पाए गए हैं। देश में सबसे हालिया मामला मार्च 2024 में दर्ज किया गया था। मामलों में ताजा वृद्धि को देखते हुए सीरम इंस्टीट्यूट ने कहा कि वह इसके लिए वैक्सीन बना रहा है और एक साल के अंदर सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

राहुल-खड़गे का जम्मू-कश्मीर दौरा टला, अब आज जाएंगे

विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर हो सकती है चर्चा

नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी नेताओं से मुलाकात भी संभव

श्रीनगर (एजेंसी)। लोकसभा में लीडर ऑफ अपोजिशन राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जम्मू-कश्मीर दौरा टल गया है। राहुल और खड़गे बुधवार से 2 दिनों के लिए जम्मू-कश्मीर जाने वाले थे। अब वह कल जाएंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि

राहुल और खड़गे आगामी विधानसभा चुनावी तैयारी की बैठक के लिए जम्मू और श्रीनगर में रहेंगे। इस दौरे में राहुल गांधी और खड़गे चुनाव से पहले गठबंधन के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला से मुलाकात कर सीट बंटवारे के फार्मूले पर चर्चा हो सकती है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर फारुक अब्दुल्ला ने 7 अगस्त को कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के साथ चुनाव से पहले गठबंधन नहीं होगा। पार्टी को अपने दम पर जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर बहुमत मिलने का भरोसा है। लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा थी। इस दौरान जम्मू संभाग की 2 सीटें और यूटी लद्दाख की एकमात्र सीट कांग्रेस को दी गई। वहीं कश्मीर की 3 सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस को दी गई थीं। इस चुनाव में कांग्रेस जम्मू संभाग में दोनों सीटें बीजेपी से हार गई, जबकि लद्दाख सीट पर नेशनल कांफ्रेंस के बागी ने जीत हासिल की। इधर कश्मीर की 3 सीटों में से 2 पर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीत दर्ज की। लेकिन बारामूला सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर राशिद ने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हरा दिया था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव

कार्यकर्ताओं के भेजे नामों में से उम्मीदवार चुनेगी बीजेपी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए 1 अक्टूबर को वोटिंग होनी है। इसके अलावा कुछ ही दिनों में नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू होने वाली है। ऐसे में राज्य के दो मुख्य दलों भाजपा और कांग्रेस ने कैंडीडेट्स पर मंथन शुरू कर दिया है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि इसी सप्ताह पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची जारी हो सकती है। इसके लिए मंथन का दौर जारी है। भाजपा ने टिकटों पर विचार करने के लिए सर्वे भी कराए हैं। इनमें आम कार्यकर्ताओं से भी राय ली गई है कि आखिर किन

विधायकों के कामकाज से आप संतुष्ट हैं। भाजपा ने पिछले दिनों अपने सभी जिला कार्यालयों में जिला और राज्य स्तर के नेताओं से वोटिंग कराई थी। इसमें सभी से विधानसभा उम्मीदवार के लिए तीन योग्य उम्मीदवारों के नाम मांगे गए थे।

मलेशियाई पीएम का वादा, जाकिर नाईक के खिलाफ होगी कार्रवाई

हिंदुओं के खिलाफ उगलता है जहर, प्रत्यर्पण को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने इस्लामी प्रचारक जकिर नाईक के मामले पर कहा कि सबूत मिलने पर उनका देश कारवाई करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद एक कार्यक्रम में जाकिर नाईक के प्रत्यर्पण को लेकर पूछे सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही। अनवर इब्राहिम ने कहा, यदि सबूत दिए जाएंगे तो आतंकवाद को कभी माफ नहीं किया जाएगा। किसी एक मामले की वजह से भारत-मलेशिया के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होने से नही रोका जा सकेगा। इससे पहले, भारत और मलेशिया के प्रधानमंत्रियों के बीच मंगलवार को बैठक में आतंकवाद और चरमपंथी

तत्वों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की बात हुई। हालांकि, जाकिर नाईक के मुद्दे पर स्पष्ट बातचीत होने की पुष्टि विदेश मंत्रालय ने नहीं की। जाकिर नाईक के खिलाफ धनशोधन और कट्टरता फैलाने के आरोप हैं और एनआईए उसके खिलाफ जांच कर रही है। वह 2016 में मलेशिया चला गया और वापस नहीं लौटा। भारत उसे लगातार सौंपे जाने की मांग कर रहा है। मलेशिया के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि भी है। मलेशिया के प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी कि भारत सरकार जोरदार तरीके से इस मामले को उठाएगी लेकिन संयुक्त बयान में ऐसा नहीं रहा।

पीके के खौफ में बीजेपी में ब्राह्मणों की लग रही लॉटरी

बिहार में सतीश, मंगल और नीतिश के बाद मनन को मिला मौका

प्रशांत किशोर बिहार बीजेपी के लिए बने खतरा, पार्टी हुई ऐक्टिव

गोपालगंज (एजेंसी)। एक उक्ति है- भय बिन प्रीत न होय तो क्या इन दिनों राज्य की राजनीति में जबरदस्त अंदाज में घुसपैठ कर रहे प्रशांत किशोर भारतीय जनता पार्टी के लिए खतरा बन गए हैं। क्या प्रशांत किशोर का ब्राह्मण होना और उस पर आंकड़े बाज या चुनावी रणनीतिकार होना कहीं भाजपा के आधार वोट ब्राह्मण पर खतरा का सिग्नल तो नहीं है। सच तो यह है कि इधर ब्राह्मण के लिए पदों का पिटारा खोल रखी भाजपा इन दिन सवालों के घेरे में तो आ ही गई है। तो क्या ब्राह्मण नेताओं पर मेहरबान होकर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व प्रशांत किशोर के लिए फील्डिंग सजा रही है। तीन बार विधायक और एक बार लोक सभा सांसद रहे सतीश चंद्र दुबे फिलहाल केंद्र सरकार में खान मंत्रालय और कोयला मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं।

जदयू से हम और फिर भाजपा में आए नीतिश मिश्रा

नीतिश मिश्रा प्रख्यात कांग्रेसी नेता डॉ. जगन्नाथ मिश्रा के बेटे हैं। पहली बार जन कांग्रेस से झंझारपुर विधान सभा से चुनाव लड़े पर हार गए। इसके बाद नीतिश कुमार से जुड़े। मिश्र 13वीं, 14वीं, 15वीं और 17वीं विधानसभा में झंझारपुर से विधायक रहे। कांग्रेस से जदयू आए, फिर जीतन राम मांझी की पार्टी 'हम' ज्वाइन की।

अब भाजपा में प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। फिलहाल उद्योग और पर्यटन मंत्री हैं। इसके पहले ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन और गन्ना विभाग के भी मंत्री रहे है। इनका भी विशेष प्रभाव उत्तर बिहार में है। बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के छह बार अध्यक्ष रहे मनन कुमार मिश्र भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की ओर से लाए गए तीसरे योद्धा हैं जो प्रशांत किशोर का ब्राह्मण मतों पर होने वाले हमले से भाजपा को बचाएंगे। पीके भी गोपालगंज के रहने वाले हैं।

इंदौर में रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे की मौत

देर रात घर की बाथरूम में फिसले, पत्नी ने अलसुबह देखा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के लसूड़िया इलाके में रहने वाले एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे की बाथरूम में फिसलने से मौत हो गई। घायल होने के बाद उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां से उन्हें एमवाय रेफर किया गया। जहां मंगलवार शाम उनकी मौत हो गई। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दिलीप (36) पुत्र टिंकुश त्रिकरा निवासी स्कीम नंबर 78 अपने घर की बाथरुम में शनिवार रात करीब 2 बजे गिर गए थे।

अलसुबह पत्नी रेखा ने देखा तो वह बाथरूम में पड़े थे। पत्नी रेखा ने घटना की सूचना परिवार के सदस्यों को दी। दिलीप को उपचार के लिए अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां मंगलवार सुबह उन्हें होश नहीं होने के चलते एमवाय शिफ्ट किया गया। परिवार ने बताया कि दिलीप का वेल्डिंग का शॉप था। परिवार में दो बेटी और पत्नी है। परिवार ने बताया कि दिलीप के पिता टिंकुश पुलिस विभाग से रिटायर्ड हैं।

इंदौर से कार बुक कर महाराष्ट्र ले गया युवक

जूम एप से एक दिन के लिए कार बुक की, फिर एक माह तक नहीं लौटा ; केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के हीरा नगर में युवक द्वारा जूम एप से कार बुक करने के बाद कार नहीं लौटाने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक युवक ने इंदौर में एक दिन के लिए कार बुक की फिर उसे अपने साथ महाराष्ट्र ले गया, और एक महीने बाद भी वापस नहीं लौटाई।मामले में कार मालिक ने जूम एप पर शिकायत की। लेकिन वहां से रिस्पॉन्स नहीं मिलने पर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। हीरा नगर पुलिस के मुताबिक दर्शन पाटीदार निवासी बजरंग नगर की शिकायत पर अपसार अहमद अंसारी निवासी समीउल्लाह चॉल घूंघट नगर नूरी मस्जिद के पास भीवंडी महाराष्ट्र के खिलाफ अमानत में खयानत का केस दर्ज किया गया है। दर्शन ने बताया कि वह डिजिटल मार्केटिंग से जुड़ा काम करते हैं। उनके पास एवेन्यू कार है। जिसे जूम कार प्राइवेट इंडिया लिमिटेड में अटैच करवा दी थी। 15 जुलाई को अपसार ने कार बुक की। जिसमें दोपहर 12 बजे से शाम 8 बजे तक का समय बताया गया। गाड़ी ले जाने के बाद रात 11 बजे तक कार वापस लेकर नही आय। इस पर दर्शन ने अपसार के मोबाइल पर कॉल किया। तब कहा कि उसे समय लग जाएगा। कार की बुकिंग सुबह तक बढ़ा दी जाए। सुबह दर्शन उठा तो कार की लोकेशन नही मिली। इसके बाद अपसार को कॉल किया तो उसका मोबाइल स्विच ऑफ आने लगा। इसके बाद दर्शन ने जूम कार की एप और ईमेल पर शिकायत कर जानकारी दी। और कार की तलाश करते रहे। अपसार का मोबाइल चालू होने पर उसे कई बार कॉल किया। लेकिन कार को लेकर जानकारी नही दी। बाद में थाने में शिकायत की गई। पुलिस ने दर्शन की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की बात कही है।

महंत नृत्यगोपाल दास महाराज 24 अगस्त को इंदौर आएंगे

श्री राम मंदिर अयोध्या द्वारा रामरक्षा स्त्रोत से अभिमंत्रित 1 लाख सिद्ध रक्षा सूत्र बांटेंगे

इंदौर (एजेंसी)। श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष गुरूदेव महन्त नृत्यगोपाल दास महाराज 24 अगस्त को इंदौर आएंगे। इस दौरान देश के प्रमुख सन्त धर्माचार्यों और विशिष्ट जनों की मौजूदगी में नगर निगम इंदौर और देव से महादेव वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में महाराज को हिंदू सनातन धर्म के प्रति दिए गए उनके योगदान को लेकर सम्मानित किया जाएगा। गुरूदेव महन्त नृत्यगोपाल दास महाराज इंदौर आगमन पर राम वन गमन पथ से जुड़े हुए समस्त तीर्थों कि पवित्र माटी और राम वन गमन से संबंधित समस्त तीर्थों के जल से शमी वृक्ष, पारिजात और तुलसी के पौधे का रोपण भी इंदौर में करेंगे। इस अवसर पर महाराज द्वारा अयोध्या के श्री राम मंदिर के विद्वान ब्राम्हणों के द्वारा रामरक्षा स्त्रोत से अभिमंत्रित लगभग 1 लाख सिद्ध रक्षा सूत्र एवं दिव्य प्रसाद इंदौर जनों को आशीर्वाद स्वरूप पितृ पर्वत पर 25 अगस्त को वितरित किए जाएंगे। महाराज 24 अगस्त को इंदौर आकार पितृ पर्वत जाएंगे वहा पूजा अर्चना कर वृक्षा रोपण करेंगे, उसके बाद शाम 6 बजे सयाजी होटल के वृंदावन वाटिका में महाराज का सम्मान किया जाएगा।

लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह 27-28 सितम्बर को

संगीतकार उत्तम सिंह और पार्श्व गायिका के.एस. चित्रा को करेंगे सम्मानित, तैयारियों के लिए बैठक

इंदौर (एजेंसी)। राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह और गीत संगीत संध्या 27 और 28 सितम्बर को इंदौर में आयोजित होगी। समारोह में संगीतकार उत्तम सिंह और दक्षिण भारत की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका के.एस. चित्रा को राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण से सम्मानित किया जाएगाइस आयोजन की व्यापक तैयारियों के संबंध में कमिश्नर दीपक सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। सिंह ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह पूर्ण गरिमामय प्रबंधों के साथ आयोजित हो। आयोजन स्थल पर बेहतर से बेहतर प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। 27 सितंबर को स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति और प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें स्थानीय कलाकारों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर बिजली और फायर सेफ्टी ऑडिट, पार्किंग के बेहतर प्रबंध सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए गए। सिंह ने कहा इंदौर में स्वर कोकिला स्व. लता मंगेशकर के नाम से बने ऑडिटोरियम में पहली बार राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह और गीत संगीत संध्या का आयोजन हो रहा है, जो कि बहुत हर्ष का विषय है।

इंदौर के पूर्वी और मध्य इलाके में बारिश

दो इंच बारिश से ही बिगड़ा शहर की सड़कों का हाल; सीजन की 20 इंच बारिश दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बुधवार सुबह 11 बजे बाद शहर के पूर्वी और मध्य इलाके में तेज बारिश शुरू हो गई। पूर्वी इलाके के विजय नगर, एलआईजी और पलासिया क्षेत्र में तेज बारिश के चलते वाहन चालकों को गाड़ियों की हेडलाइट ऑन करनी पड़ी। इससे पहले कई इलाकों में तेज धूप तो कई क्षेत्र में बादल छाए हुए थे। इंदौर में पिछले 24 घंटे में करीब 2 इंच बारिश दर्ज की गई है। वहीं इस सीजन में करीब 20 इंच बारिश हो चुकी। सीजन में बारिश का कोटा 36 इंच है। साल 2023 में अब तक यानी 21 अगस्त तक 25 इंच के करीब वर्षा दर्ज की गई थी।दोपहर 12 बजे के बाद शहर के अलग हिस्से में रुक रुक हल्की बूंदाबांदी होती रही।

एक दिन पहले हुई तेज बारिश से बिगड़ा शहर का हाल

वहीं मंगलवार शाम करीब 4 बजे से लगभग पूरे शहर में तेज बारिश शुरू हुई। अरसे बाद तेज बारिश होने से लोगों को उमस से राहत मिली। इससे पहले सुबह 11 बजे से ही मौसम बदलने लगा था और कई इलाकों में बादल छा गए थे। कुछ देर बाद शहर के पूर्वी और मध्य

इलाके में हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया था। बारिश के चलते कई प्रमुख चौराहों पर जलजमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बन गई। इसके अलावा शहर के कई निचले इलाकों और बीआरटीएस में भी भारी जलजमाव हो गया। पलासिया, गिटार तिराहा, स्कीम 140, खजराना, रोबोट चौराहा सहित कई इलाकों में घुटने-घुटने तक पानी भर गया।

मध्य इंदौर में ज्यादा पानी

रीगल तिराहा पर मंगलवार सुबह 11 से शाम 5 बजे तक 2.5 इंच, एयरपोर्ट केंद्र में 1.6 व कृषि कॉलेज में 2.5 इंच बारिश दर्ज हुई। देपालपुर, गौतमपुरा, सांवेर व महू में भी अच्छी बारिश हुई। यशवंत सागर को भरने के लिए महू और देपालपुर में अच्छी बारिश जरूरी है।

बारिश से नहीं, खराब ड्रेनेज-स्टॉर्म वाटर लाइन सिस्टम से डूब रहा शहर

आंकड़ों में बारिश भले दो हुई, लेकिन सड़कों, चौराहों की स्थिति ऐसी हो गई, जैसे एकमुश्त 5 इंच पानी गिर गया हो। हमारा ड्रेनेज-स्टॉर्म सिस्टम इतना खराब है कि एक से डेढ़ इंच बारिश में ही शहर पानी-पानी हो जाता है। जयपुर-भोपाल में ऐसे हाल एकमुश्त 5 इंच बारिश के बाद ही बनते हैं। निगम चौराहा, बीआरटीएस, जंजीरवाला चौराहा, पलासिया सहित कई इलाकों में एक-डेढ़ फीट तक पानी भर गया। जिन स्थानों पर नाला टैपिंग हुई है, वहां ज्यादा परेशानी आई। 36 से ज्यादा कॉलोनियां प्रभावित हुई, 15 से ज्यादा प्रमुख सड़कें और 20 चौराहों पर घंटों पानी भरा रहा। एमआईसी सदस्य नंदू पहाड़िया ने बताया, चेंबर साफ कराने के बाद पानी उतर गया।

घरों में पानी घुसा, सामान खराब हुआ

जवाहर मार्ग की स्मार्ट सड़क से गोमा की फैल, 4 आर गार्डन के पीछे कबीर चौक में घरों में पानी घुस गया। वार्ड 21 में अभिनंदन नगर, मंगल नगर, श्याम नगर से लेकर कई इलाके डूब गए। चैंबर के ढक्कन खुलवाए गए। पार्षदों ने डीवाटरिंग मशीनें लगवाईं, तब पानी निकल सका।

खजराना चौराहे पर 2 घंटे तक जाम

खजराना चौराहा पर शाम ऐसा जाम लगा कि 2 घंटे तक सैकड़ों वाहन फंसे रहे। जाम का असर एक तरफ रोबोट चौराहा तो दूसरी ओर 6 किमी दूर मूसाखेड़ी चौराहा तक रहा। चौराहे पर इतना पानी भर गया कि यहां तालाब जैसे हालात बन गए। चौराहे पर पानी भरने का मुख्य कारण रोबोट चौराहा से खजराना की ओर मार्ग पर मेट्रो प्रोजेक्ट के कारण बैरिकेडिंग करना है। यहां मुख्य रोड का ट्रैफिक सर्विसलेन पर शिफ्ट कर चौराहे से निकाला जा रहा है।

बर्थडे मनाकर जा रहे स्टूडेंट्स की कार पलटी, दो की मौत

इंदौर के जाम गेट पर सनराइज देखने जा रहे थे ; बेकाबू होकर खाई में गिरी गाड़ी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के जाम गेट के पास कदवाली में बुधवार सुबह कार पलटने से दो कॉलेज स्टूडेंट्स की मौत हो गई। जबकि उनके पांच साथी घायल हो गए, उन्हें इंदौर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये सभी सात स्टूडेंट कार से जाम गेट के पास सूर्योदय देखने के लिए निकले थे। तभी कार बेकाबू होकर पलट गई। जानकारी के मुताबिक, सिम्बोसिस कॉलेज इंदौर की सेकेंड ईयर की छात्रा समृद्धि देव (19) का बर्थ डे था। मंगलवार रात को दोस्त यग्नेश उपाध्याय, विवान, शानू, हर्षिता, रितेश और एक अन्य के साथ इंदौर बायपास पर बर्थ डे सेलिब्रेट किया। इसके बाद सभी एक दोस्त की कार से सनराइज देखने के लिए जाम गेट तरफ रवाना हुए।

कार के सामने आ गया कोई जानवर

घाट आने से 3 किलोमीटर पहले कार के

यग्नेश उपाध्याय समृद्धि देव

सामने कोई जानवर आ गया। कार ड्राइव कर रहे रितेश ने कंट्रोल खो दिया और गाड़ी खाई की तरफ जाकर पलट गई। इससे समृद्धि और यग्नेश की मौके पर मौत हो गई। बाकी दोस्त घायल हो गए। घायल दोस्तों ने बताया कि संकरा रास्ता होने से कार बेकाबू हो गई। तीन से चार पलटी खा गई थी। सूचना पर मौके पर पहुंची बड़गोंदा पुलिस ने घायलों को इंदौर के भंवरकुआं स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है।

यग्नेश ने समृद्धि के लिए की थी आखिरी पोस्ट

हादसे के पहले यग्नेश ने समृद्धि को जन्मदिन की बधाई देते हुए सोशल मीडिया में एक तस्वीर पोस्ट की थी। इसके बाद यग्नेश और समृद्धि कार से जाम गेट के लिए निकल गए थे। कुछ ही देर बाद हादसे में यग्नेश और समृद्धि दोनों की मौत हो गई थी। यह यग्नेश की आखिरी पोस्ट थी।

कांग्रेस नेता की बेटी थी समृद्धि

परिवार ने बताया समृद्धि मूल रूप से धार जिले के बदनावर की रहने वाली थी। वह इंदौर में रहकर पढ़ रही थी। पिता अशोक देव कांग्रेस के नेता हैं। उनकी 3 बेटियां हैं। समृद्धि सबसे छोटी बेटी थी। ताऊ रमेशचंद्र खेड़ा के पूर्व सरपंच रहे हैं।

भाजपा नेता का रिश्तेदार था यग्नेश

हादसे में मृत स्टूडेंट यग्नेश मूल रूप से देवास का रहने वाला था। वह देवास भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल का भांजा था। परिवार धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा है। मां पल्लवी एबीवीपी की कार्यकर्ता रही हैं। यग्नेश को सब प्यार से बब्बा बुलाते थे।

इंदौर में युवक से जूते बंधवाने वाले गुंडे पर रासुका

आरोपी की संपत्ति की जानकारी जुटा रही पुलिस ; बाइक से कट मारने के विरोध पर पीटा था

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भंवरकुआं इलाके में युवक से मारपीट कर उससे जूते के लैस बंधवाने वाले आरोपी को पुलिस ने रासुका में निरुद्ध किया है। आरोपी पर एससी-एसटी एक्ट में भी कार्रवाई की गई है। मंगलवार को उसे कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया। उस पर 10 से अधिक आपराधिक केस दर्ज हैं। पुलिस आरोपी के आर्थिक संपत्तियों की जानकारी जुटा रही है। एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद यादव ने बताया कि रविवार सुबह आदिवासी युवक देपाल गिणावा (22) निवासी गणेश नगर पर आरोपी रितेश राजपूत और उसके साथी मनीष ने पहले गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। जब देपाल ने उसे गाड़ी देखकर चलाने को कहा तो दोनों ने गुंडागर्दी करते हुए छात्र को दौड़ा-दौड़कर पीटा फिर उससे जूते के लैस बंधवाए। बोले कि तू हमें जानता नहीं है। हमारा क्षेत्र में नाम चलता है। इसके

बाद छात्र ने थाने में शिकायत की। शिकायत के बाद सोमवार शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

कान पकड़कर मंगवाई माफी

सोमवार को बदमाश रितेश को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उसे जुलूस के रूप में इलाके में घुमाने पैदल लेकर आई। वहां हर गली और मोहल्ले में उसे घुमाया। जिस किराना दुकान के सामने आरोपी ने छात्र के साथ मारपीट की थी, उसी के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक लगवाई। बाद में उससे सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई।

इंदौर में 24 घंटों में डेंगू के 11 मरीज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में पिछले 24 घंटों में डेंगू के 11 मरीज मिले हैं। इनमें 7 पुरुष और 4 महिलाए हैं। इनमें एक बच्ची भी है। खास बात यह कि इनमें सभी अलग-अलग क्षेत्रों के हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दौलत पटेल ने बताया कि ये क्षेत्र विजय नगर, पीपल्याहाना, गुलशन अपार्टमेंट, प्रिमियम पार्क, आरआर कैट, नवरतन बाग, रॉयलमणि पार्क, श्रीयंत्र नगर, रानी बाग, बंगाली चौराहा हैं। जिन क्षेत्रों में नए मरीज मिल रहे हैं वहां छिड़काव कर लार्वा नष्ट किया जा रहा है। इसके साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें।

गंदे पानी के जमाव से होता है डेंगू- जिला मलेरिया अधिकारी पटेल बताया कि है। यह बुखार मच्छरों द्वारा फैलाई जाने वाली बीमारी है। यह स्थिति तब बनती है घरों में या आसपास एक ही स्थान पर बहुत दिनों से पानी जमा हो। जैसे कूलर, वॉश एरिया, सिंक, गमलों आदि भी कई बार पानी जमा रहता है जो डेंगू का कारक बनता है। एडीज मच्छर पानी जमाव होने की स्थिति में सक्रिय हो जाते हैं। इन मच्छरों की प्रकृति यह है कि ये दिन में ही काटते हैं।

बेटी से बात करने पर शादीशुदा युवक को चाकू मारे

एरोड्रम इलाके के 60 फीट रोड पर पिता और भाईयों ने घेरकर किया हमला

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एरोड्रम इलाके में शादीशुदा युवक वहीं रहने वाली एक युवती से मोबाइल पर बात करता था। शादीशुदा होने के चलते युवती के परिवार को यह बात ठीक नहीं लगी। इसके चलते उन्होंने युवक को एरोड्रम इलाके में घेरकर चाकू मारे। सड़क पर मरा हुआ छोड़कर भाग गए। बाद में युवक को गंभीर हालत में एमवाय भेजा गया। यहां उसका एमवाय में उपचार चल रहा है।एरोड्रम पुलिस ने हेमा राणा की शिकायत पर कमल सिंह चौहान, उसके बेटे युवराज और राज पर 109 3(5) की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने अजय पुत्र सुमेर सिंह राणा, निवासी गांधी पैलेस चंदन नगर पर एरोड्रम इलाके के 60 फीट रोड पर मंगलवार को चाकू से हमला कर दिया। हेमा राणा ने बताया कि

अजय उसका पति है। जिसे गाल, पेट, सिर और अन्य जगह चाकू लगे हैं। पुलिस के मुताबिक अजय राणा आरोपी की बेटी से मोबाइल पर बात करता था। पूर्व में इस बात को लेकर विवाद भी हुआ था। परिवार ने इस बात को लेकर हिदायत दी थी। लेकिन अजय नहीं माना। इसके बाद आरोपियों ने उसे घेरकर हमला कर दिया। उसका आईसीयू में उपचार चल रहा है।

बाइक सवार युवक युवतियों ने मारे चाकू

लसूड़िया में बाइक सवार युवक-युवतियों ने एक युवक को चाकू मार दिए। युवक दोस्तों के साथ बाइक से जा रहा था। कट लगने की बात पर उनकी कहासुनी हुई थी। पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यशराज सावले की शिकायत पर तीन बाइक पर सवार युवक युवतियों के खिलाफ चाकूबाजी की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। यश ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह गिफ्ट गैलरी पर काम करता है। अपने दोस्त सौरभ और प्रदीप के साथ जा रहा था। निपानिया बेस्ट प्राइज के यहां पर तीन बाइक पर सवार करीब 9 लोग जिनमें युवतियां भी शामिल थीं, बाइक को कट मारते हुए निकले। इस पर उनसे कहा कि गाड़ी आराम से चलाओ एक्सीडेंट हो जाएगा। इसके बाद आरोपियों ने यश की बाइक रोकी और चाबी निकाली और तीनों दोस्तों से मारपीट करने लगे। एक आरोपी ने चाकू निकाला और दोनों पैरों में पीछे की तरफ चाकू मार दिया। आरोपी बाइक लेकर युवतियों के साथ मौके से भाग गए। इसके बाद दोस्तों के साथ अस्पताल जाकर ड्रेसिंग कराई और माता-पिता को जानकारी देकर थाने आया। पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर केस दर्ज किया है।

इंदौर में कलेक्टर और व्यापारिक संगठनों की मीटिंग

दुकानदार तय पार्किंग स्थल पर ही खड़े कर सकेंगे वाहन, दुकान के सामने लगेगी सिर्फ ग्राहक की गाड़ी

इंदौर (एजेंसी)। शहर के भीड़भाड़ वाले सराफा, राजबाड़ा, जेल रोड़ तथा इसके आसपास के बाजारों के दुकानदार अपने वाहन नगर निगम के मल्टीलेवल तथा अन्य पार्किंग स्थलों पर पार्किंग करेंगे। इसके लिए उनसे नगर निगम द्वारा प्रतिमाह न्यूनतम निर्धारित शुल्क लिया जाएगा। चंद समय के लिए ग्राहक के वाहन दुकानदार अपनी दुकान पर खड़े कर सकेगा। यह निर्णय कलेक्टर आशीष सिंह ने शहर के मध्य क्षेत्र के मार्केट एसोसिएशनों के पदाधिकारियों की बुधवार को हुई बैठक में लिए। बैठक में उन्होंने शहर के मध्य क्षेत्र के बाजारों के दुकानदारों तथा ग्राहकों आदि के वाहन सुव्यवस्थित रूप से पार्क करने के संबंध में विचार-विमर्श किया। प्रशासन ने कहा है कि यातायात तथा पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए चौराहों को

सुधारा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर अभियान चलाकर सड़क और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने का कार्य भी चल रहा है। इसी तरह बेसमेंट में पार्किंग स्थल का अन्य उपयोग करने वालों को भी नोटिस जारी कर एक माह का समय दिया गया है। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा तथा अपर आयुक्त एन.एन. पाण्डे सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर ने कहा कि हम सकारात्मकता से शहर के हित में काम करेंगे और इसके लिए हर माह के दूसरे बुधवार बैठक करेंगे।

व्यापारी बोले- पहले सड़कों और फुटपाथों के अतिक्रमण हटाएं

इस बैठक में व्यापारिक संगठनों ने कहा कि व्यावसायिक वाहनों की पार्किंग निर्धारित स्थानों पर हो और यातायात सुगम हो, इसके लिए तय नीति का हम पालन करेंगे लेकिन, उससे पहले सड़क और फुटपाथ का अवैध अतिक्रमण हटाया जाए। इस पर जेलरोड एसोसिएशन के राजकुमार शर्मा ने कहा कि अत्यधिक शुल्क वहन नहीं कर पाएंगे। ऐसे में हम शासन प्रशासन से अपेक्षा करते हैं कि मूल्य निर्धारण पर विचार-विमर्श करें। इंदौर रिटेल गारमेन्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन ने कहा कि हम विगत 3 वर्षों से सड़क के कब्जाधारियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं, निगम रिमूवल कार्रवाई के चार दिन बाद फिर वही स्थिति खड़ी होती है। इस व्यवस्था का जब तक स्थायी निदान नहीं होता है तब तक यातायात प्रबंधन का मिशन आगे नहीं बढ़ सकता। पहली पहल सड़क के कब्जे हटाकर ही हो। इस दिशा में कलेक्टर आशीष सिंह ने उपस्थित निगम कमिश्नर शिवम वर्मा और संबंधित अधिकारी को तुरंत एक्शन लेने के लिए कहा। आयुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि हम फुटपाथ को लेकर मुहिम को सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई करेंगे। स्पॉट फाइन भी लागू करेंगे। इस अहम बैठक के सुझाव के अमलीकरण परिणाम का सूचकांक होगा।

संपादकीय

अब बदलापुर में यौन शोषण

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और निर्मम हत्या की गूंज कम हुई भी नहीं थी कि अब महाराष्ट्र के बदलापुर के एक नामी स्कूल में छोटी बच्चियों के यौन शोषण ने देश को दहला दिया है। महिलाओं के यौन शोषण और बलात्कार के खिलाफ तमाम कानून बने हैं, बावजूद इसके एक घृणित अपराध करने वालों में किसी तरह का खौफ नहीं है। अब तो यौन शोषण करने वाले करीबी लोग ही निकल रहे हैं। ऐसे में बेटियां भरोसा करें भी तो किस पर? बदलापुर की कहानी भी इसी तरह विचलित करने वाली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई के पास बदलापुर के एक बड़े स्कूल परिसर में ही सफाईकर्मी चार साल की दो बच्चियों का बेखौफ यौन शोषण करता रहा। वो बच्चियां जो ठीक से बोल भी नहीं पाती हैं, कई दिनों तक डर के मारे यह अत्याचार सहन करती रहीं। डरी सहमी बच्चियों ने जब कई दिनों बाद कभी न भूलने वाली आपबीती अपने मां-पिता को सुनाई तो वे भी फफक-फफक कर रोने लगे। ये बच्चियां स्कूल के प्री प्राइमरी क्लास में पढ़ती हैं। उनका यौन उत्पीड़न करने वाला स्कूल का सफाईकर्मी अशोक शिंदे निकला। घटना 13 व 14 अगस्त की बताई जाती है। दोनों बच्चियों के साथ यह हरकत स्कूल के टॉयलेट में उस वक्त हुई, जब वहां कोई महिला स्टाफ नहीं थी। आरोपी ने दोनों बच्चियों का यौन शोषण किया और किसी को भी इस बारे में न बताने की धमकी दी। फिर भी एक बच्ची ने घटना के एक दिन बाद हिम्मत दिखाई। तब पता चला कि दूसरी बच्ची के साथ भी ऐसी ही घिनौनी हरकत हुई है। दोनों बच्चियां अलग-अलग परिवार की हैं। इसके बाद आनन-फानन में बच्ची के पैरेंट्स 16 अगस्त की रात को पुलिस थाने पहुंचे और फिर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद आरोपी अक्षय शिंदे को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने उसे 24 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। यौन शोषण के मामले की खबर फैलते ही लोगों में आक्रोश फैल गया और स्टेशन पर ट्रैफिक जाम कर दिया गया। करीब 10 घंटे तक इस व्यस्त मार्ग पर रेल यातायात बंद रहा। आक्रोशित भीड़ आरोपी को फांसी देने की मांग कर रही थी। इससे दैनिक आवागमन करने वालों को काफी परेशानी भी हुई। जब पुलिस की समझाइश के बाद भी लोग नहीं हटे तो बल प्रयोग किया गया। साथ ही कई प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। यहां समस्या यह भी है कि जब तक जनता का दबाव न पड़े, अमूमन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है। जब लोगों ने रेलें रोकीं तब कहीं प्रशासन और सरकार जागी तथा उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने महिला आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में पूरे मामले की जांच कराने तथा आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला चलाकर फांसी दिलाने की बात कही है। बेशक, बदलापुर के स्कूल में जो हुआ, वह अत्यंत घृणित है। साथ यह भी दर्शाता है कि हमारा समाज कितना गिर चुका है। इंटरनेट के पोर्न विश्व ने अब लोगों को हवस का गुलाम बना दिया है। लगता है समाज और कानून का डर तथा लोकलाज का कोई अर्थ नहीं रह गया है। यह वाकई भयावह स्थिति है। चिंता की बात यह है कि यौन अपराध के नए नए तरीके ईजाद किए जा रहे हैं और बलात्कार के साथ-साथ पीड़िता की अत्यंत क्रूरता से हत्याएं की जा रही हैं। लगता है हमारा सामाजिक विवेक ही मरता जा रहा है। इसे खुद समाज को ही जगाना होगा। कानून इसमें एक सीमा तक ही मदद कर सकता है।

दास्ताने-झारखंड

डॉ. सुधीर सक्सेना

चुनाव की घंटी और बीजेपी की अँटी

महाराष्ट्र और झारखंड में अभी चुनावी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन दोनों ही प्रांतों में सियासी तवा गरम है और अजब-गज़ब घट रहा है। महाराष्ट्र में जहाँ चाचा (शरद पवार) और भतीजे (अजित पवार) में खटास हद दर्जे तक बढ़ गयी है और अजित को उनके गृह नगर पुणे में सहयोगी दल बीजेपी के कार्यकर्ता ही काले झंडे दिखा रहे हैं, वहीं अल्पकाल के लिये झारखंड के मुख्यमंत्री रहे चम्पई सोरेन की वाया कोलकाता दिल्ली-यात्रा को बीजेपी की ओर पींगे बढ़ाने के उपक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की साझा सरकार है। सन 2009 से पहले झारखंड बीजेपी के ताबे में था। झारखंड में कमल के मुरझाने का दु:ख बीजेपी को सालता है। धनुष-बान और पंजे की मिलीजुली सरकार को सत्ताच्युत करने की बीजेपी की सारी कोशिशें बेकार रही हैं। 15 नवंबर, सन् 2000 को अस्तित्व में आये झारखंड ने अब तक बतौर मुख्यमंत्री सात चेहरे देखे हैं। ये हैं: बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, शिबू सोरेन, मधु कोड़ा, रघुबर दास, चंपई सोरेन और हेमंत सोरेन । लगभग पाव सदी के अंतराल में इस आदिवासी बहुल राज्य में दो बार राष्ट्रपति शासन भी लगा। यहां शीर्ष नेताओं का भ्रष्टाचार के आरोपों से बिंधना आम बात है। मुख्यमंत्री रहते हुए हेमंत सोरेन को जेल की हवा भी खानी पड़ी। उनके कारा-काल में चम्पई सोरेन ने कुछ माह खड़ाऊ सरकार चलाई। वह सन 1975 में 'दिकूओं' को खदेड़ने के लिये छेड़े गये आंदोलन के कारण पहली दफा सुर्खियों में आये शिबू सोरेन, जो 'गुरुजी' के नाम से समादृत हैं, के पुत्र और उत्तराधिकारी हैं तथा हाल के घटनाक्रम के फलस्वरूप आदिवासी अस्मिता के जुझारू प्रतीक के तौर पर उभरे हैं ।

ये ही वे संदर्भ हैं, जिनमें झारखंड की राजनीति के सूत्र छिपे हुये हैं। झारखंड का आदिवासी समुदाय क्रांतिकारी बिरसा मुंडा को भगवान व धरती आबा मानता है। स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिरसा मुंडा के बारे में 'गलत बयानी' की समूचे अंचल में' विपरीत और तीखी प्रतिक्रिया हुई है तथा इसे गंभीर अपराध मानते हुए सार्वजनिक क्षमायाचना की मांग भी उठी है। दिलचस्प तौर पर झारखंड की राजनीति में उसकी खनिज संपदा की भी खासी भूमिका है और उसके दोहन पर कुबेर घरानों की लोलुप दुष्टि है। मार्केट की बात यह है कि सत्ता के खेल में इन घरानों की सीधी रुचि है। सत्ता की कलें घुमाने का खेल खेलने के वे आदी हो चुके हैं। झारखंड में इस साल चुनाव होना तय है। स्थितियां भले ही प्रतिकूल हों, लेकिन इसे चुनाव आयोग ज्यादा नहीं टाल सकता। दिल्ली की मंशा है कि जैसे भी हो झारखंड में खेला हो जाये। उसे हर कहीं शिंदे, अजित पवार, ज्योतिरादित्य और सुवेंदु मार्का मोहरे चाहिये। चम्पई सोरेन उसके लिये बिसात पर ताजा मोहरा हैं।

चंपई की ख्याति भले ही झारखंड के 'टाइगर' के तौर पर हो, किंतु दिल्ली के रिंग मास्टरों के लिये उसे पूंछ से पकड़ना मुश्किल नहीं है। कहने को चंपई भले ही बेटी से मुलाकात के लिये निजी यात्रा पर दिल्ली आने की बात कहें, लेकिन उनका बरास्ते कोलकाता दिल्ली जाना, गांव में घर से झामुमो का झंडा उतारना और सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट इस बात की चुगली कर रहे हैं कि घात में बैठे मछेरों ने सियासी तालाब की इस मछली के सामने 'लासा' फेंक दिया है। इस बीच बिहार के सीएम रहे जीतन राम मांझी की पोस्ट ने नेपथ्य के खेल की बानगी दे दी। मांझी ने लिखा- 'चंपई दा, आप टाइगर थे, टाइगर हैं और टाइगर ही रहेंगे।' एनडीए परिवार में आपका स्वागत है। जोहार टाइगर पार्श्व के खेल को समझने के मान से यह सूचना मायने रखती है कि असम के सीएम हेमंत बिस्वसरमा बीजेपी के झारखंड प्रभारी हैं ।

जहां तक चंपई के झामुमो का कूचा छोड़ने से संभावित नफे-नुकसान की बात है, कांग्रेस के नेता अजॉय कुमार का कहना मायने रखता है कि यदि चंपई बीजेपी में शामिल भी होते हैं, तो भी झारखंड में 'इंडिया' गठबंधन को किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ेगा। उलटे ऐसा होने से पूरे राज्य में बीजेपी नेताओं में मतभेद पैदा होंगे। चम्पई बीजेपी में गये तो बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और मधु कोड़ा का क्या होगा? भाजपा को अपने नेताओं का अपमान करने की आदत है। कुमार कुछ भी कहें, लेकिन बीजेपी को यह खेल खेलने का चस्का लग गया है। उसकी इसी आदत पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बीजेपी गुजरात, असम और महाराष्ट्र से लोगों को लाती है और दलितों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और पिछड़ों के बीच नफरत फैलाने का काम करती है और उन्हें लड़ाने की कोशिश करती है। समाज की तो छोड़िये, वह पार्टियों और परिवारों को तोड़ने का काम करती है। वह विधायकों को खरीदती है। ट्राइबल कार्ड खेलते हुये हेमंत ने कहा कि चम्पई ट्राइबल लीडर हैं, वे कहीं नहीं जायेंगे। हेमंत गोड्डा में जब यह कह रहे थे तो उनका दो टूक तात्पर्य था कि आदिवासी नेता बिकाऊ नहीं होता। राज्य में इस साल चुनाव होने हैं, लेकिन चुनाव की तारीख केंचुआ नहीं, विपक्षी पार्टी तय करेंगी। हेमत का स्पष्ट कहना है कि केन्द्रीय चुनाव आयोग अब संवैधानिक संस्था नहीं रही। उस पर बीजेपी ने कब्जा जमा लिया है।

झारखंड में चुनाव की घंटी का जल्द बजना तय है। लेकिन हेमंत के कथन और सारे घटनाक्रम को रूपक में बांधें तो कहना होगा कि चुनाव की घंटी बीजेपी की 'अंटी' में है। सिर्फ सयाने ही नहीं, नौसिखुवे भी जानते हैं कि अंटी में और क्या-क्या धरा जाता है और उसके बूते क्या कुछ नहीं किया जा सकता?

अपराध

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

महिलाओं की सुरक्षा पर उठते सवाल

आज जब लड़कियां ज्ञान की रोशनी पा कर तमाम पर्दों को चीरती हुई आसमां को छूने के लिए निकल पड़ी हैं तो फिर उन पर बलात्कार जैसे धारदार हथियार से सिर्फ़ हमला ही नहीं किया जा रहा बल्कि उसकी हत्या तक की जा रही है। कैसा है यह हमारा समाज और कानून जहां ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी लड़की, बच्ची के साथ कोई जघन्य बलात्कार और हत्या की घटना न होती हो। महिलाओं के सशक्तिकरण में उनके खिलाफ हो रही हिंसा उनके सामने रुकावट का पत्थर बन कर खड़ा है।

हाल-फिलहाल की रेप की घटनाओं पर गौर करें तो एक बात नई दिख रही है वो यह कि अभी जो भी रेप की घटनाएं हो रहीं हैं, उनमें से अत्यधिक में साक्ष्य मिटाने के लिए लड़की को मार दिया जा रहा है या उसके साथ बर्बरता की जा रही है जो कि अपराध को और जघन्य बना रहा है और यह सब निर्भया कांड के बाद से ही ज्यादातर दिख रहा है। इसका कारण कानून में हुए बदलाव को कहा जा सकता है , क्योंकि यह रेपिस्ट खुद को बचाने और सबूत मिटाने के लिए कर रहे हैं। तो क्या कठोर कानून मात्र से रेप की घटना को नियंत्रित नही किया जा सका है क्योंकि रेप के बाद अब हत्या भी होने लगी है। बड़ा प्रश्न यह है कि फिर इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है?

हाल फ़िलहाल में देश मे कोलकाता, बिहार, उत्तराखंड में जघन्य अपराध हो चुके है जो सब दर्दनाक है। कोलकाता और मुजफ्फरपुर के घटनाओं को तो शब्दों का रूप देने में रूह कांप जा रहा है। भारत में महिलाओं के साथ बढ़ते रेप के मामलों को लेकर समाज में गहरी चिंता व्याप्त है। रेप जैसी घटनाएं महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, फिर भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। वर्ष 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में कुल 31,677 रेप के मामले दर्ज किए गए, जो प्रति दिन औसतन 86 मामले होते हैं। यह संख्या चिंताजनक है, क्योंकि यह दिखाता है कि कानून

और सुरक्षा उपायों के बावजूद महिलाएं असुरक्षित हैं। कुछ राज्यों में स्थिति और भी भयावह है। उदाहरण के लिए, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रेप के मामले सबसे ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इन राज्यों में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति और भी गंभीर है।महिलाओं के खिलाफ रेप जैसी घटनाओं के बढ़ने के कई कारणों को देखा जा सकता है। जैसे कि आज भी भारतीय समाज में महिलाओं को लेकर पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण गहराई से जड़ें जमाए हुए है। महिलाओं को कमजोर और पुरुषों से कमतर समझा जाता है, जिसके कारण उनके खिलाफ हिंसा की घटनाएं होती हैं।

देश की कमजोर कानूनी व्यवस्था ने भी उसमें आग में घी का काम किया है। भारत में रेप के खिलाफ कड़े कानून मौजूद हैं, लेकिन इन कानूनों का प्रभावी रूप से लागू न हो पाना एक बड़ा कारण है। कई मामलों में अपराधियों को सजा मिलने में देरी होती है, जिससे महिलाओं के प्रति हिंसा करने वालों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। अपराधियों को कानून का भय नहीं है जिसके कारण क्राइम करने में हिचक नहीं रहे हैं। कुछ हद तक इसमें सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी जिम्मेदार है। समाज में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को लेकर एक प्रकार की चुप्पी बनी रहती है। पीड़िताओं को अक्सर शर्म और समाज के डर से अपनी आवाज उठाने में संकोच होता है, जिसके चलते कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाती। अब जबकि यह अपराध समाज को बर्बाद कर दिया है और इसने लड़कियों के जीवन पर ही ब्रेक लगा दिया है तो शक्ति के साथ इससे निपटने का उपाय करना होगा। इसके लिए कुछ कठोर कदम उठाने की जरूरत है। कानूनों को और अधिक सख्त बनाया जाना चाहिए और उन्हें सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। रेप के मामलों में तेजी से न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष अदालतों का गठन किया जाना चाहिए। केसों के निपटान का एक एक तय समय सीमा निर्धारित किया जाए।

इसका सुधार सामाजिक स्तर पर भी करने की जरूरत है। जिसकी शुरुआत हमारे घर से हो। समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना विकसित करने के लिए जागरूकता अभियानों की जरूरत है। स्कूलों और कॉलेजों में लिंग समानता पर विशेष कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। एक मुहिम अगर चले जिसमें देश के हर पैरेंट्स उसमें महिलायें ही आगे आये जैसे कि हर बहन अपने भाई जो, मां अपने बेटों को और बीबी अपने पति को इसके लिए मानसिक रूप से उन्हें समझाए कि आपके भी घर मे महिलाएं है तो आप अगर उनका सम्मान करोगी तो ही इससे निजात मिलेगी। क्योंकि जो लोग ये अपराध करते है उनके भी घर में महिलाएं है। उन्हें घर से बेदखल और सामाजिक बहिष्कार जैसे सज़ा का भी भय देना होगा।

सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने, महिलाओं के लिए हेल्पलाइन सेवाओं को और मजबूत करने, और पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। जब महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी, तो वे अपने अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ी हो सकेंगी।इसके अतिरिक्त जो घटना हो चुकी है उसके लिए महिलाओं को फिर से नई जिंदगी देने के लिए भी मुहिम चलाने की जरूरत है। रेप की शिकार महिलाओं को मानसिक और भावनात्मक सहायता देने के लिए काउंसलिंग सेवाओं का प्रावधान किया जाना चाहिए। इससे वे अपने अनुभवों से उबरकर जीवन में आगे बढ़ सकेंगी।

महिलाओं के साथ हो रहे रेप के मामलों की बढ़ती संख्या भारत के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसके समाधान के लिए कानून, समाज और सरकार को मिलकर काम करना होगा। कानूनों को सख्ती से लागू करना, समाज में जागरूकता फैलाना, और महिलाओं को सशक्त बनाना इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम हैं। यदि हम इन मुद्दों पर गंभीरता से काम करते हैं, तो निश्चित रूप से एक ऐसा समाज बनाया जा सकता है जहां महिलाएं सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।

मोमबत्ती नहीं, अलख जगाने की जरूरत

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखिका स्तंभकार हैं।

आज हर तरफ जब कलकत्ता की बात हो रही है तो मैं सोच रही हूँ कि अब और क्या लिखा जाए या और क्या लिखा जाना चाहिए? ऐसी ही बातें दिल्ली के निर्भया-कांड के बाद या ऐसे ही उन सभी परेशान करने वाली घटनाओं के बाद हम सभी में कुछ रोष होता है। पर दुख की बात है कि वह रोष कुछ ही पलों का होता है।हमारी यादाशत बहुत ही कमज़ोर है । हमारे स्वार्थी होने की हद तो यब और भी दिखाई देती है कि सब हादसों के बाद भी हम किसी भी सरकार को इन सबप् पर कड़े कानून लाने पर विवश नहीं कर पाते।आज हम एक डॉक्टर के लिए सिर्फ मोमबतियां ही जला पा रहे है। जबकि जलना हमारे भीतर कुछ चाहिए । कुछ ऐसा जिससे इतिहास बना सकें, कुछ ऐसा जिससे कानून इतने सख्त हो सकें कि हमारी बेटियाँ जहां भी रहे वहां सुरक्षित रहे।पर ऐसा होगा नहीं, क्योकिं हम यह होने नहीं दे रहे है । हम तो बातें कर रहे है कि प्रिंसिपल ने क्या खा, उस सरकार ने क्या बयान दिया। हमें उनके शब्द चुभ नहीं रहे है, क्यूंकि हम भीतर से मर चुके है। हम कविताएँ लिखेंगे, लेख लिखेंगे, कुछ लोगों को इकठ्ठा करके रैलियाँ निकालेंगे, पर फिर चुप हो जाएंगे यह सोचकर की अच्छा हुआ कि हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ है। हम यह देख नहीं पा रहे है कि इन सब घटनाओं का कितना गहरा असर होने वाला है । जब तक कि ऐसी घटनाएं बंद नहीं हो जाती, क्या हम किसी परिवार को यह दिलासा दे सकते है कि आप अपनी बेटी को कहीं भी पढ़ने बहेगी , वह सुरक्षित ही रहेगी। यदि यह कह नहीं सकते तो सोचिए कि हम किस समाज को बना रहे है। किसी अपराधी की सजा कम करनी हो तब वह नाबालिग हो जाता है, क्या वह अपराध करते समय भी नाबालिग ही था। आखिर क्यों हमारी न्याय व्यवस्था इतनी कमजोर पड़ जाती है?

अपराध कितना भी बड़ा कर लो, फिर अपनेआप को नाबालिग घोषित कर दो और सजा को कम करवा लो। क्या यह सही है? आज हमारा पूरा समाज कलकत्ता की डॉक्टर को न्याय दिलाने के बारे मरें कह रहा है ? पर देश के बेटों को अपनी सोच बदलने की सलाह कोई क्यों नहीं दे रहा है? क्या हम सब मिलकर भी डॉक्टर बिटिया के माता -पिता का दु:ख कम कर सकते है? दु:ख कम करना तो दूर की बात है क्या हम उनका दु:ख बांट भी सकते है? जवाब हम सब जानते है, लेकिन स्वीकारते नहीं है।क्यों हम सिर्फ सहानुभूति दिखाते है ? हमारे भीतर सहानुभूति को सहेजते क्यों नहीं है? रेप यह शब्द कहने में जितना कष्टदायक है , इसे झेलना कितना मुश्किल होगा । यह हम कब मानेंगे? कब हमारे बच्चों को ऐसी शिक्षा देंगे , जिससे की हर बेटी सुरक्षित रह सकें। हर बेटे को पता हो कि जो मेरे साथ पढ़ रही है, चल रही है, या सफ़र कर रही है उसका भी कोई इंतज़ार कर रहा है। वह किसी की आँखों का तारा है। लेकिन ऐसा होता नहीं है। हमें इस बात की तय तक जाना होगा कि आखिर कौन सी ऐसी बात है जिससे सामने वाले के अन्दर से डर खत्म हो गया है। क्या हम अपने देश के कानून का सम्मान करना भूल गए है या हमें यकीन है कि कितना भी बड़ा गुनाह कर लें, हमें कुछ नहीं होगा। यह (कुछ नहीं होगा) जैसे विचार है ना यह हमें गलत से भी और गलत करने का बढावा देते है । यही बढ़ावा हमारी आदत बन जाता है। समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर हम अपनी भावी पीढी को क्या सीखा रहे है या उनको क्या दे रहे है। एक ऐसा समाज जहां कुछ विशेष दिन तो लडकी की पूजा होगी लेकिन बाकी दिनों में लड़की की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी किसी भी नहीं होगी।पर सुरक्षा चाहिए क्यों और किससे? जवाब है हर एक से सुरक्षा चाहिए और इसी जवाब में हमारे समाज की हमारी परवरिश की विफलता दिखाई देगी। यह विफलता मात्र पुरुषों की ही नहीं है बल्कि स्त्रीयों की भी है , जो अपने ही बेटों को एक अच्छा इंसान बनाने में नाकामयाब हो रही है। यह विफलता है, हमारे भीतर की संवेदनाओं की और सफलता है, हर उस बुरी सोच की जो समय-समय पर अपने भीतर के दानव को जगाने से चूकती नहीं।

हमें आज अपने आस्तित्व को बचाने के साथ-साथ समाज को भी बचाना होगा।हमें मोमबतीयों की नहीं सोच की ज़रूरत है। एक अलख की ज़रूरत है जो हमारे भीतर के मर रहे मानव को फिर से जगा सकें। जो ना तो मोमबती तक पहुंचने दें और ना ही तलवारों को पकड़ने पर मजबूर करें।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुधीर देशपांडे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नये मुद्दे लाओ भाई

अभी किसी ने एक पुरानी रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि प्रदेश का भ्रष्टाचार के मामले में दूसरा स्थान है। इस मामले में यह सुकून भरी खबर है कि प्रदेश भ्रष्टाचार के मामले में देश में दूसरे नंबर पर ही है। होने को तो वह पहले नंबर पर हो सकता था। पर यह उसका बड़प्पन है कि उसने महाराष्ट्र को पहला स्थान पाने दिया। सच तो यह भी है कि जिन राज्यों के नाम तीन चार पांच पर होंगे वे कोई कम होंगे ऐसा नहीं है। यह तो उस राज्य की चतुराई हो सकती है कि उन्होंने भ्रष्टाचार को कोई गंभीर मुद्दा कभी माना ही नहीं। सच तो यह भी है कि भ्रष्टाचार अब गंभीर मुद्दों में नहीं गिना जाता।

बल्कि जो ईमानदार है वह गलती से भी गलती कर लेता है तो धरा जाता है। वैसे भी हमारे यहाँ जब तक कोई पकड़ा नहीं जाता तब तक वह ईमानदार ही होता है। फिर आप कितने ही आरोप लगाओ या लांछन लगाओ आपकी बला से। वैसे यह रिपोर्ट जो है वह करीब नौ साल पहले की है, यानी इसका मतलब यह भी हो सकता है कि प्रदेश अब पहले स्थान पर पहुँच गया होगा। यदि नहीं पहुँच पाया तो नौ साल चले अढाई कोस वाली कहावत चरितार्थ हो गई समझे। या फिर यह समझे कि मेरे प्रदेश ने भी भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मान कर अब आगे से कोई कार्यवाही न करने का मन बना लिया है। जन्म मृत्यु प्रमाणपत्र हासिल करने लिए रिश्वत की बात आती है या पेंशन के लिए रिश्वत तो अब इस पर वाकई कोई बवाल नहीं करता। जो छोटी छोटी बात पर लोकायुक्त के पास चले जाते हैं उन्हें यह समझना चाहिए कि आखिर काम उन्हें उन्हीं बाबुओं और अफसरों से कराना है जिनकी बिरादरी के लोगों को तुमने पकड़वाया है। यहाँ उन लोगों की बड़ी संख्या है जिन्होंने रिश्वतें ली है पर आज तक पकड़े नहीं गये हैं। दफ्तर नहीं गये पर कभी कार्यवाही नहीं हुई। यहाँ

अभय मुद्रा भी प्रभावकारी है। चढावा जिसका आधार है। चढावा छोटे से बड़े तक आरोही क्रम में क्रमानुगत तरीके से चलता है। और तो और ईमानदारी से चलता है।

ठेकेदार आज भी पुल, सड़क और भवनों के ठेके बदस्तूर लेते हैं। सारे नियम तोडकर लेते हैं। पुलिस सारे कागजात होने के बाद भी चालान बनाती है। नगरपालिका का कर्मचारी नक्शे में खोट निकालने के लिए ही नियुक्त है। चलिए छोड़िये साहब शुक्र मानिए कि प्रदेश में भ्रष्टाचार पर कार्यवाही हो रही है। रकम जब्त हो रही है। कर्मचारी, अधिकारी पकड़े जा रहे हैं। यह पारदर्शिता क्या कम है कि आपको पता चल रहा है कि भ्रष्टाचार पर कार्यवाही होती है। जो पकड़ा जाए वह काहे का भ्रष्ट? और फिर इतनी पुरानी रिपोर्ट आज की तारीख में क्यों? यह तो तवारीख की बात हो गई। वैसे भी भ्रष्टाचार कोई नयी बात नहीं है। काम होने की गारंटी है ये। यदि ला सको तो नया मुद्दा लाईये। अब पुराने मुद्दे दम नहीं मारते।

संस्कृतोत्सव

मूल कन्नड़ लेखक – नं. श्रीकंठकुमार

हिंदी अनुवाद- डॉ. करुणालक्ष्मी.के.एस.

संस्कृत प्राचीन और अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाषा है

संस्कृत भाषा और साहित्य ने विश्व को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्कृत भाषा व साहित्य में कला और विज्ञान से संबंधित विशिष्ट बातों का उल्लेख है। सरल शब्दों में कला प्रतिभा प्रधान है। प्राचीन भारत में हर एक ज्ञान शाखा को और कला को ब्रह्मज्ञान पाने का पूरक मार्ग माना जाता था। कई संस्कृत ग्रंथों में कलाओं की संख्या 64 होने से और रामायण, महाभारत, पुराणादि ग्रंथ, वात्सायन कामसूत्र में भी 64 कलाओं का उल्लेख है। कंसवध के बाद सांदीपनी महर्षि के पास गुरुकुल में विद्या सीखने जाने पर श्री कृष्ण ने केवल 64 दिनों में 64 कलाएं, 14 विद्याएं सीखीं ऐसा उल्लेख है।

भाषा एक संचार साधन के रूप में जन्म लेकर बढ़ती आयी है। हर एक भाषा का हजारों वर्ष का इतिहास देखने को मिलता है। दुनिया में हजारों भाषाएँ हैं, उनमें कई भाषाओं के लिए लिपि भी नहीं है, ऐसी भाषाएँ केवल संभाषण के रूप में चलती आयी हैं। संस्कृत अत्यंत प्राचीन भाषा मानी जाती है। यह भाषा भगवान के मुँह से निकली देवभाषा, गीर्वाण भाषा कही जाती है। उसकी प्राचीनता के संबंध में काल निश्चित करना संभव न होने पर भी प्राप्त जानकारी के अनुसार पाश्चात्यों ने ई.पू. 1500 तक इसकी प्राचीनता का अंदाजा लगाया है। यह भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। यह मात्र प्राचीन ही नहीं, समृद्ध और वैज्ञानिक भी है और कई भाषाओं के लिए मातृस्वरूप है। हिंदी भाषा तथा कन्नड,तेलुगु, मलयालम आदि क्षेत्रीय भाषाओं को समग्र रूप से जानने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत पूरक है। अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के लिए उस भौगोलिक प्रदेश की पृष्ठभूमि रहती है। लेकिन संस्कृत ऐसी भौगोलिक सीमाओं से परे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाषा भी है। उसमें निहित वेद, दर्शन, रामायण, महाभारत, शाकुंतल आदि ग्रंथ वैश्विक स्तर पर पूजनीय माने जाते हैं। इतना ही नहीं, संस्कृत भाषा से अनूदित साहित्य से क्षेत्रीय भाषाएँ समृद्ध हुई हैं।

संस्कृत भाषा और साहित्य ने विश्व को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्कृत भाषा व साहित्य में कला और विज्ञान से संबंधित विशिष्ट बातों का उल्लेख है। सरल शब्दों में कला प्रतिभा प्रधान है। प्राचीन भारत में हर एक ज्ञान शाखा को और कला को ब्रह्मज्ञान पाने का पूरक मार्ग माना जाता था। कई संस्कृत ग्रंथों में कलाओं की संख्या 64 होने से और रामायण, महाभारत, पुराणादि ग्रंथ, वात्सायन कामसूत्र में भी 64 कलाओं का उल्लेख है। कंसवध के बाद सांदीपनी महर्षि के पास गुरुकुल में विद्या सीखने जाने पर श्री कृष्ण ने केवल 64 दिनों में 64 कलाएँ, 14 विद्याएँ सीखीं, ऐसा उल्लेख है। ऐसे ही काव्य, विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, न्यायालय के निर्णय, आयुर्वेद और प्रस्तुत समय में प्रसिद्ध संस्थाओं के ध्येयवाक्यों को भी संस्कृत में देख सकते हैं।

संस्कृत और काव्य : कवि की कृति को 'काव्य' कहते हैं। लेकिन लिखनेवाला हर कोई कवि नहीं कहलाता। लिखा हुआ सब कुछ काव्य नहीं हो सकता। कवियों में पुराने जन्मों और अब के जन्म के उत्तम संस्कार, श्रेष्ठ गुरुओं के पास अध्ययन, उदात्त लोगों का निरंतर मार्गदर्शन, प्रवास, हर दिन पठन, चिंतन आदि होने चाहिए। तब जाकर वह कवि, महाकवि बन सकता है। वाल्मीकी जी दुनिया के प्रथम कवि माने जाते हैं। उनके द्वारा संसार को समर्पित रामायण 'आदिकाव्य' नाम से प्रसिद्ध है। सांकेतिक रूप से पाँच और कृतियाँ संस्कृत में महाकाव्य के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे हैं - महाकवि कालिदास विरचित रघुवंश और कुमारसंभव, भारवी द्वारा रचित किरातार्जुनीय, माघ का शिशुपालवध और श्री हर्ष विरचित नैषधीयचरित। विश्वप्रसिद्ध पंचतंत्र के रचयिता विष्णुशर्मा, समकालीन कवि नागपुर के डॉ. श्रीधरभास्कर वर्णेकर द्वारा विरचित शिवराज्योदयम, ज्ञानपीठ पुरस्कृत संस्कृत महाकवि डॉ. सत्यव्रतशास्त्री विरचित रामकीर्तिमहाकाव्यम, बृहत्तर भारतम ऐसे कई महाकाव्य उल्लेखयोग्य हैं। राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत मैसूर के विद्वान डा. एच,वी.नागराजराव जी भारत के सुप्रसिद्ध संस्कृत महाकवि हैं, जिनके द्वारा रचित दसों शतक प्रसिद्ध हैं।

संस्कृत और विज्ञानः संस्कृत विज्ञान में अत्यंत बड़ी मात्रा में उपलब्ध खगोल शास्त्र की ज्ञानराशि हमारे प्राचीनकाल से हमारे साथ ही है। यह अवधि ई.पू.6000 ई के ऋग्वेद के मंत्र से लेकर 14 वें दशक के सायणाचार्य जी की व्याख्या तक पसरी हुई है। वेदकाल के बाद ख्यात ऋषि सदृश कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को हम देख सकते हैं। प्रमुख रूप से ईसा की 5वीं सदी का आर्यभट, 7 वीं सदी का भास्कर-1, ईसा की 12 वीं सदी का भास्कर-2 आदि। ऐसा बताया जाता है कि सूर्यदेव के प्रकाश की किरणों की गति को 19वीं सदी के पाश्चात्य वैज्ञानिक मैखालसन और मार्ले नामक व्यक्तियों ने अन्वेषित किया । लेकिन प्राचीन भारत के वैज्ञानिक महर्षियों ने ई.पू. 6000 साल से पहले ही इसका अन्वेषण किया था, यह गर्व की बात है।

संस्कृत और अर्थशास्त्रः अर्थशास्त्र अथर्ववेद का उपवेद है। यह राजनीति से संबंधित कई बातों की जानकारी देता है। आचार्य विष्णुगुप्त अर्थशास्त्र के प्रणेता है। चाणक्य, कौटिल्य, आदि उनके उपनाम हैं। जीवन निर्वाह के लिए जो आवश्यक है उसे कौटिल्य ने अर्थ कहा है। इस अर्थ के लाभ और संरक्षण के क्रम को अर्थशास्त्र विस्तृत रूप से जानकारी देता है। चाणक्य ने राज्य की रक्षा, किले, चार सांप्रदायिक विद्याएँ, चार राजकीय उपाय, छः प्रकारके विदेश नीति, मंडल व्यवस्था, राजा के दंडनाधिकार, मंत्रि परिषद की रचना, राजा द्वारा अपने पुत्र, पत्नी, बंधुओं की परीक्षा करने का विधान, राजा की मृत्यु पर मंत्री का कार्यभार, शत्रुओं का सामना करने के तंत्र, रक्षा के उपाय, गूढचर्या, विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के कार्य, शिक्षा विधान आदि विचारों को कौटिल्य ने विस्तार से समझाया है। पहली बार कौटिल्य के अर्थशास्त्र ग्रंथ का संपादन करके मैसूर के रुद्रपट्टण के डा.आर.शामशास्त्री जी ने ग्रंथरूप में प्रकाशित किया। 1909 में इसे दुनिया में पहली बार मुद्रित करके प्रकाशित करने का गर्व मैसूर के प्राच्यविद्यासंशोधनालय का है।

संस्कृत और गणित : एक समय था, जब गणित को संस्कृत भाषा में पढाया जाता था। आज इसे सुनकर आश्चर्य होता है। किसी भी विषय को लय के द्वारा समझाने से मन को न केवल आह्लाद मिलता है, बल्कि वह ज्यादा समय तक मन में टिक भी जाता है, यह अनुभवजन्य सत्य है। इसलिए गणित जैसे कठिन विषय को भी लय, छन्दोबद्ध पदों के द्वारा न केवल सुस्पष्ट रूप से बल्कि सुलभ रीति से समझाया जाता था। हमारे स्कूलों-कालेजों में सिखाये जा रहे कई गणित प्रमेय पहले संस्कृत साहित्य में मौजूद थे, यह बात आज भी बहुत लोग नहीं जानते। इतिहास यह बताता है कि आज प्रौढशाला में सिखाया जानेवाला 'पैथागोरस प्रमेय' ईसा के 500 वर्षों से पहले ही अन्वेषित था। बताया जाता है कि उससे भी पहले ई.पू.600 सालों से पूर्व इस प्रमेय को संस्कृत के शुल्बसूत्रों में बताया गया था। शुल्ब सूत्र अपस्तंब, बोधायन, मानन, कात्यायन आदि पंडितों द्वारा बताया गया था। विज्ञान को न्यूटन से कई शतक पहले हमारे यहाँ प्रतिपादित करनेवाले थे द्वितीय भास्कराचार्य, जिनको हम कैल्कुलस के पितामह कह सकते हैं। त्रिकोन मति के विकास के लिए कारणीभूत प्रथम आर्यभट, द्वितीय आर्यभट, ब्रह्मगुप्त तथा माधव आदि का स्मरण करना अत्यंत आवश्यक है।

संस्कृत और न्यायालयः आज न्यायालयों में कई संदर्भों में वकालत करते समय साक्षी को महत्व दिया जाता है। हर कोई भरोसेमंद साक्षी नहीं बन सकता। उसके लिए कई मानदण्ड हैं। जो साक्षी देता है, उसे सत्य ही बोलना है, वह भरोसेमंद व्यक्ति होना चाहिए, आत्मविश्वासी होना चाहिए, निर्भीत होना चाहिए ऐसे गुणों का उल्लेख किया जा सकता है। इसे कई हजार साल पहले हमारे संस्कृत ग्रन्थों में स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया गया है। यह कोई अतिश्योक्ति नहीं है। याज्ञवल्क्य स्मृति में आनेवाले व्यवहाराध्याय में साक्षी के गुणधर्मों की विवेचना की गई है। इतना ही नहीं, याज्ञवल्क्य स्मृति के प्रसिद्ध व्याख्याता विज्ञानेश्वर लिखित मिताक्षर नामक ग्रंथ का अनुसरण करके ही सर्वोच्च न्यायालय में कई निर्णय प्रकट होते हैं, यह ध्यान देने योग्य बात है।

संस्कृत और आयुर्वेद : आयुर्वेद मात्र भारतीयों को नहीं, विदेशियों को भी अपनी ओर खींचनेवाली विशिष्ट पद्धति है। आयु यानी आयुष्य, वेद यानी विज्ञान। अपनी संपूर्ण जीवतावधि को स्वस्थ होकर बिताने के लिए पालन किए जानेवाले विधानों के निरूपण के बारे में आयुर्वेद में महत्व दिया गया है। कई हजार साल पहले भूमि पर लोगों में रोग दिखाई देने पर ऋषिमुनिगण भगवान की शरण में जाते हैं। बताया जाता है कि तब ब्रह्मदेव ने आयुर्वेद शास्त्र का विवरण दिया।

गुरु शिष्य परंपरा में कई ऋषियों ने इसके बारे में अध्ययन करके ग्रंथों की रचना की है। चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, वाग्भट के ग्रंथ, प्राचीन तथा प्रमुख आयुर्वेद विज्ञान के ग्रंथ माने जाते हैं। आयुर्वेद ग्रंथों की रचना संस्कृत में हुई है। संस्कृत से विविध भाषाओं में अनूदित ग्रंथ अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। भाषांतर ग्रंथों से आयुर्वेद का परिचय मिलता है, फिर भी विषय के यथावत ग्रहण के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है।

संस्कृत और पत्रिकाः 'सुधर्मा' संस्कृत की एकमात्र दिन पत्रिका है। 1970 के जुलाई 15 को पंडित के.एन.वरदराज अय्यंगार जी ने मैसूर के श्रीमन्महाराजा संस्कृत पाठशाला की श्री गणपति सन्निधि में पत्रिका आरंभ की। वे खुद उस पत्रिका के संपादक तथा प्रकाशक थे। वे सतत 20 साल संस्कृत पत्रिका का प्रकाशन करके भाषा प्रेमियों की प्रशंसा के पात्र बने। तब पत्रिका का मूल्य मात्र पाँच पैसे थे। इतना ही नहीं, 1976 में केंद्र सरकार ने आकाशवाणी में संस्कृतवार्ता का प्रसारण आरंभ किया। इसके कारणीभूत थे श्री वरदराज अय्यंगा। श्री के.वरदराज अय्यंगार जी के निधन के बाद उनके पुत्र विद्वान श्री के.वी.संपतकुमार जी ने संस्कृत भाषा के प्रचार और प्रसार को 'सुधर्मा' का ध्येयोद्देश मानते हुए कई उतार चढाव के बाद भी पत्रिका चलाते रहे। सारे विश्व में 'सुधर्मा' संस्कृत दिनपत्रिका के रूप में सफल हुई तथा उसने दुनिया को कई लेखकों का परिचय कराया।

विद्वानों द्वारा रचित कई पुस्तकों का 'सुधर्मा' ने प्रकाशित किया है। संस्कृत भाषा से संबंधित पुस्तक मेला का आयोजन करके संस्कृत भाषा और कई प्रकाशकों को प्रोत्साहन दे रहा है। 2019 में पत्रिका ने सुवर्ण वर्षोत्सव का आचरण किया , यह हर्ष का विषय है। 2020 में 'सुधर्मा' पत्रिका के संपादक श्री के वी संपतकुमार तथा श्रीमति जयलक्ष्मी जी को केंद्र सरकार ने 'पद्मश्री' पुरस्कार से सम्मानित किया है। 2021 में श्री संपतकुमार जी के निधन के बाद उनकी पत्नी जयलक्ष्मी जी ने आर्थिक संकष्टों के बावजूद भी पत्रिका के प्रसारण जारी रखा है, यह खुशी की बात होने पर भी पत्रिका के प्रसारण के लिए संस्कृत प्रेमियों की सहायता अत्यंत आवश्यक है।

आज के दिनों में विद्यार्थी तथा इतर भाषाप्रेमी संस्कृत सीखने की ओर अत्यंत रुचि से प्रवृत्त हो रहे हैं। विदेशों में भी संस्कृत के बारे में आदर की भावना व्यक्त होकर उसको सीखने की तरफ लोगों का मुडना हम भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। इस दिशा में सरकार देश के सभी विद्यालय, शोध संस्थान और निजी संघ-संस्थानों में भी श्रावण पूर्णिमा के संदर्भ में पिछले तीन दिन और अगले तीन दिन कुल मिलाकर एक सप्ताह भर संस्कृत सप्ताह मनाते हुए, इस सप्ताह में संस्कृत भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहन दे रही है, यह हर्ष का विषय है।

जयंती

सुसंस्कृति परिहार

हरिशंकर परसाई का सौवां जन्मदिन !

22 अगस्त 1924 को हरिशंकर परसाई का जन्म जमानी ग्राम में हुआ।जन्म शताब्दी समारोह देश भर में हालांकि पूरे साल भर मनोयोग से मनाए गए। लेकिन 100वें जन्मदिन की बात महत्वपूर्ण है। इसलिए इस बार शताब्दी समारोह के समापन अवसर पर इसे उनके गांव के लोग ग्रामपंचायत और प्रगतिशील लेखक संघ के तत्वावधान में एक भव्य समारोह कर रहे हैं जिसमें देशभर के परसाई प्रेमियों, लेखकों को आमंत्रित किया गया है। जमानी के लोगों ने आगंतुकों के रहने-खाने आदि की व्यवस्था भी की है।उनके उत्साह और हरिशंकर परसाई के लेखन के प्रति जमानी गांव के लोगों को शताधिक सलाम।

वाकई किसी लेखक का जन्मदिन गांववासी मिलकर मनाएं यह ऐतिहासिक घटना होगी अनेकों साहित्यकार उस पुण्यभूमि को देख पाएंगे जहां उन्होंने जन्म लिया। उनके लेखन की बारीकियों से परिचित हो पाएंगे। हम सभी भलीभांति जानते हैं कि उनका समग्र लेखन देश को प्रगतिशील विचारधारा से जोड़ता है व्यर्थ के आडम्बरों को चुटीले व्यंग्य के ज़रिए वे सामने लाते हैं। देश और समाज के अंदर जो कटुताएं और दुर्भावनाऐं मौजूद हैं उन पर तीखा प्रहार करते हैं। निर्भीकता पूर्वक वे अपना उपहास उड़ाकर कमजोरियां बेबाकी से प्रकट करते हैं। ऐसा दुस्साहस दिखाने वाले वे इकलौते लेखक हैं। उनके अंदर आंदोलनधर्मिता मौजूद थी इसलिए अन्याय के प्रतिकार में मज़दूरों, शिक्षकों और छात्रों के आंदोलन से बराबर जुड़ते रहे।सबसे बड़ी बात यह है कि वे सर्वहारा वर्ग के साथ उठते बैठते थे वे ही इनके असली मित्र थे इसीलिए उनके जीवन और अपने जीवन की परेशानियों की तह में पहुंच पाए। इतना ही नहीं वे किसी के मन के अंदर क्या चल रहा है उसे ज्योतिषी की तरह समझ जाते थे। उन्होंने अपने से लेकर बड़े से बड़े लेखक, पत्रकार और राजनैतिज्ञ लोगों और मित्रों को भी नहीं बख्शा। आज़ाद भारत के बाद देश में उन्होंने जो देखा उसे ईमानदारी से लिखा। काश पूर्ववर्ती सरकारें उन पर अमल कर पातीं तो देश आसन्न संकट में ना फंसता।

बहरहाल परसाई जी अद्वितीय व्यंग्यकार है उन्होंने प्रायः प्रायः जीवन के समस्त अच्छे बुरे प्रसंगों पर कटु व्यंग्य किए हैं। अब जन्मदिन को ही ले लीजिए 'किस तरह गुजरा जन्मदिन' शीर्षक व्यंग्य लेख में परसाई ने अपनी आपबीती पर व्यंग्य किया है। वे लिखते हैं तीस साल पहले बाईस अगस्त को एक सज्जन सुबह मेरे घर आये। उनके हाथ में गुलदस्ता था। उन्होंने स्नेह और आदर से मुझे गुलदस्ता दिया। मैं अकचका गया। मैंने पूछा-यह क्यों ? उन्होंने कहा-आज आपका जन्मदिन है न। मुझे याद आया मैं बाईस अगस्त को पैदा हुआ था। यह जन्मदिन का पहला गुलदस्ता था। वे बैठ गये। हम दोनों अटपटे थे। दोनों बेचैन थे। कुछ बातें होती रहीं। उनके लिए चाय आई। वे मिठाई की आशा करते होंगे। मेरी टेबल पर फूल भी नहीं थे। वे समझ गये होंगे कि सबेरे से इसके पास कोई नहीं आया। इसे कोई नहीं पूछता। लगा होगा जैसे शादी की बधाई देने आये हैं, और इधर घर में रात को दहेज की चोरी हो गई हो। उन्होंने मुझे जन्मदिन के लायक नहीं समझा। तब से अभी तक उन्होंने मेरे जन्मदिन पर आने की गलती नहीं की। धिक्कारते होंगे कि कैसा निकम्मा लेखक है कि अधेड़ हो रहा है, मगर जन्मदिन मनवाने का इन्तजाम नहीं कर सका। इसका साहित्य अधिक दिन टिकेगा नहीं। हाँ, अपने जन्मदिन के समारोह का इन्तजाम खुद कर लेने वाले मैंने देखे हैं। जन्मदिन ही क्यों, स्वर्ण-जयन्ती और हीरक जयन्ती भी खुद आयोजित करके ऐसा अभिनय करते हैं, जैसे दूसरे लोग उन्हें कष्ट दे रहे हैं। सड़क पर मिल गये तो कहा-परसों शाम के आयोजन में आना भूलिये मत। फिर बोले-मुझे क्या मतलब ? आप लोग आयोजन कर रहे हैं, आप जानें।

चार-पाँच साल पहले मेरी रचनावली का प्रकाशन हुआ था। उस साल मेरे दो-तीन मित्रों ने अखबारों में मेरे बारे में लेख छपवा दिये, जिनके ऊपर छपा था-22 अगस्त जन्मदिन के सुअवसर पर। मेरी जन्म-तारीख 22 अगस्त 1924 छपती है। यह भूल है। तारीख ठीक है। सन् गलत है। सही सन् 1922 है। मुझे पता नहीं मैट्रिक के सर्टिफिकेट में क्या है। मेरे पिता ने स्कूल में मेरी उम्र दो साल कम लिखाई थी, इस कारण कि सरकारी नौकरी के लिए मैं जल्दी 'ओव्हरएज' नहीं हो जाऊँ। इसका मतलब है कि झूठ की परम्परा मेरे कुल में है। पिता चाहते थे कि मैं 'ओव्हरएज' नहीं हो जाऊँ। मैंने उनकी इच्छा पूरी की। मैं इस उम्र में भी दुनियादारी के मामले में 'अण्डरएज' हूँ। लेख छपे तो मुझे बधाई देने मित्र और परिचित आये। मैंने सुबह मिठाई मँगा ली थी। मैंने भूल की। मिलने वालों में चार-पाँच, मिठाई का डिब्बा लाये। इतने में सब निबट गये। अगले साल मैंने सिर्फ तीन-चार के लिए मिठाई रखी। पाँचवें सज्जन मिठाई का बड़ा डिब्बा लेकर आये। फिर हर तीन-चार के बाद कोई मिठाई लिए आता। मिठाई बहुत बच गई। चाहता तो बेच देता और मुआवजा वसूल कर लेता। ऐसा नहीं किया। परिवार और पड़ोस के बच्चे दो-तीन दिन खाते रहे। इस साल कुछ विशेष हो गया। जन्मदिन का प्रचार हफ्ता भर पहले से हो गया। सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण के घण्टों पहले उसके 'वेद' लग जाते हैं, ऐसा पण्डित बताते हैं। 'वेद' के समय लोग कुछ नहीं खाते। वेद यानी वेदना। राहु, केतु के दाँत गड़ते होंगे न। मेरा खाना-पीना तो नहीं छूटा वेद की अवधि में, पर आशंका रही कि इस साल क्या करने वाले हैं यार लोग। आज शायद की कोई महान लेखक अपने ऊपर ऐसी चुटकी ले। परसाई का वह व्यंग्य आज तमाम महानायकों और कलाकारों के जन्मदिन के शोर-शराबे में उनकी याद दिलाता है

21 तारीख को ही एक समारोह उनकी गैरमौजूदगी में हुआ तो दूसरे दिन पड़ोस में रहने वाले एक दंपति एक गुलदस्ता और एक लिफाफा लेकर घर आ गए। औपचारिक बातचीत के बाद लिफाफा खोला तो उसमें एक हजार रुपये थे। यहां परसाई जी फिर चुटकी लेते हैं, कहते हैं कि 'इसकी क्या जरूरत थी' जैसे फालतू वाक्य बोले बिना मैंने झट से रुपये रख लिए। सोचा इसी को गुड मॉर्निंग कहते हैं। अगले जन्मदिन पर अखबार में लिखवाऊंगा कि उपहार में खाली पैसे ही दें। लेकिन फिर पुर्नविचार करने पर मन बदल गया, का है कि ऐसा पढ़कर किसी के न आने की आशंका ने जो घेर लिया था।

परसाई जी ने उनको शुभकामनाएं देने के लिए आने वाले सज्जनों के मन की व्याथाओं पर भी चुटकी लेते हुए लिखा-कुछ लोग घर में बैठे कह रहे होंगे- साला अभी तक जिंदा है। क्या किया? एक साल और जी लिए तो कौन सा पराक्रम किया? इसी बहाने उन्होंने एक और गंभीर समस्या पर चोट कर दी। लड़कियों की शादी को लेकर। वे लिखते हैं कि एक दिन भी जी लेना पराक्रम है। एक मित्र ने रिटायर होने के दस साल पहले तीन लड़कियों की शादी कर डाली। वह दुनिया के प्रसिद्ध पराक्रमियों के जैसे ही तो हैं।

अपने जन्मदिन पर परसाई का सूक्ष्म और गहरा विवेचन अपनी और समाज की मनोदशा को बयां करना सहज काम नहीं है। इसके ज़रिए उनके संदेश को समझना चाहिए। इस साल शताब्दी समारोहों में उन्हें शिद्दत से याद किया । लगभग पूरे साल जो आयोजन हुए उनमें विख्यात चित्रकार अवधेश बाजपेई द्वारा निर्मित पेंटिंग द्वारा परसाई जी की 12 मुख मुद्राओं को कैलेंडर में आबद्ध करना है जिसे देश भर में सर्वाधिक सराहा गया। जबलपुर से ही लेखक राजेन्द्र चन्द्रकांत राय ने भी परसाई के नगर के प्रमुख मित्रों के साथ एक कैलेंडर निकाला जिनकी छवियों को देखकर परसाई की यादें साकार हो गईं। राजेन्द्र चन्द्रकांत राय ने एक और महत्वपूर्ण और दिलचस्प कार्य उनकी जीवनी लेखन का किया जिसके लिए उन्होंने अथक मेहनत की। 'कपाल के गाल पर हस्ताक्षर' नामक किताब ने तो देश में तहलका मचा दिया।यह जीवनी उन्होंने जिस शैली में लिखी है उसे पढ़कर ऐसा लगता है जैसे हम सीधे उनके साथ हैं उनको सम्पूर्णता के साथ या यूं कहें समग्र जीवन को जीवंत करती यह किताब इतनी बिकी कि उसे दो बार प्रकाशित करना पड़ा। देश भर में लेखकों और प्रगतिशील लेखक संघ की इकाईयों ने परसाई केन्द्रित कार्यक्रम साल भर किए। प्रगतिशील लेखक संघ ने उनके शहर जबलपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन कर उसे यादगार बना दिया। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा परसाई पर आयोजन होना गौरव और साहस की बात है। परसाई शताब्दी समारोहों ने उनके पुनर्पाठ को संभव बनाया।

उनके जन्मदिवस पर जमानी में होने वाले दो दिवसीय आयोजन ऊम्मीद की जानी चाहिए परसाई को गहराई से समझने में मदद करेंगे। वे हास्य व्यंग्यकार नहीं विशुद्ध रुप से ऐसे अनूठे व्यंग्यकार जिन्होंने इस विधा को साहित्य जगत में उचित स्थान पर प्रतिष्ठित किया।

पुस्तक समीक्षा

राग तेलंग

समीक्षक

एक लाजवाब किताब की शख्सियत

इन दिनों लेखकों में लेखकीय कंटेट के फार्मेट बाबत गहन विमर्श चल रहा है। इस विमर्श के तहत मुख्यतः कंटेट की ऐसी स्टैंडर्ड लंबाई की तलाश बनी हुई है जिसे एक औसत पाठक इस ट्वेंटी-ट्वेंटी जिंदगी की पिच पर पढ़ सके। विचार की भूख-प्यास के मरते चले जाने के दौर में ऐसा प्रतीत होता है जैसे औसत-जन के हिस्से में अब वैचारिकी की लास्ट बॉल ही बची है।

वरिष्ठ पत्रकार व संपादक अजय बोकिल के लेखों का संग्रह ' लाजवाब शख्सियतें-कुछ लाईक्स' हाल ही में शिवना प्रकाशन से प्रकाशित होकर आया है। यह संग्रह कई मायनो में उल्लेखनीय है। यह मध्य भारत के विचार के अखबार सुबह सवेरे में राइट क्लिक नामक स्तंभ में लगातार प्रकाशित लेखों का संग्रह है। अक्सर हमने देखा है कि पढ़ने की आदत जिन लोगों में पहले से बनी चली आ रही है उन के हिसाब से तो अजय बोकिल जी के लेखों की लंबाई एसएमएस है। अब महाकाव्य,खंड-काव्य,उपन्यास आदि का पठन-पाठन एक तरह का श्रम मांगता है। राइट क्लिक एक ऐसा कॉलम रहा है जो पाठकीय संस्कार में न सिर्फ श्रीवृद्धि करता है बल्कि यह बोकिल जी के लेखकीय संकल्प की ओर भी संकेत करता है।

लाजवाब शख्सियतें एक ऐसी किताब है जो किशोरों और युवाओं के ज़्यादा काम की लगती है,पर्सनालिटी डेवलपमेंट के दृष्टिकोण से। मेरे गुरूतुल्य अग्रज,शिक्षक और भौतिक शास्त्री प्रोफेसर कपूरमल जैन सर को आज यहाँ याद करता हूं। जैन सर ने अपने अंतिम दिनों में आत्मज्ञान के लिए पढ़ने का संस्कार बचा रहे इसे दृष्टिगत रखते हुए युवाओं के लिए एक बेजोड़ पुस्तक लिखी जिसकी शीर्षक था 'पर्सनालिटी स्पॉ'। यह संदर्भ यहां लिए जाने का एक विशेष उद्देश्य है। डिजिटल मीडिया के विराट व्यापारिक प्रसार के दौर में ठहरकर बिना विज्ञापन व्यवधान पढ़ने का सुख देने वाले प्रिंट मीडिया से ही अब बची हुई उम्मीद है कि वह जड़ों के संस्कार और उसकी आर्त पुकार को बचा सकेगा।

एक बैठक में पढ़ी जा सकने वाली इस किताब को पढ़ने से समझ आता है कि दैनिक प्रेरणा बतौर इस पुस्तक में उल्लेखित पात्रों के जीवन का सफर किसी के लिए भी मोटिवेशनल हो सकता है। इन दिनों मोटिवेशन का अर्थ अर्थ यानी पैसे की दुनिया में ढकेलने से होता है,यह नायाब पुस्तक इस अंधेरे पक्ष को खोलती है।

जो सुधीजन पाठक संस्कृति को बचाए रखने के पक्षधर हैं वे अगर अपने घर की छोटी-सी लाईब्रेरी में एक रोशनी देने वाली रोशन किताब रखना चाहते हैं तो यह एक ज़रूरी किताब है।

अगर नव-पाठक का ध्यान करें और जिनका पढ़ना छूटता जा रहा है उनकी बात करें तो यह ऐसे लोगों को लाजवाब कर देने वाली किताब है। यह किताब आते हुए पाठकों और जाते हुए पाठकों के लिए ज़्यादा मुफीद है। अपनी जड़ों को भूल जाने की बीमारी का इलाज करना हो तो यह ग्रंथ बताएगा कि जड़ों से जुड़कर कैसे-कैसे लोगों ने कमाल किया है और विश्व पटल पर क्यों भारत आज भी एक न भुलाई जा सकने वाली एक सांस्कृतिक शक्ति है।

81 लेखों के इस संग्रह में लेखक ने विभिन्न रसों के आस्वाद समाहित किए हैं। कला, विज्ञान, राजनीति,समाज, खान-पान आदि। इस संग्रह में जिन-जिन शख्सियतों ने इस किताब के पन्नों पर जगह पाई है वे अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जीवनी,जीवन शैली और जीवन संदेश की विविध बातों के बहाने लेखक अपने पाठकों का मानस इस बात के लिए तैयार कर देता है कि वह ऐसे सफलतम किरदारों के सापेक्ष अपने को

भी रखकर देखे और अपनी ज़िंदगी को संवारने के बारे में भी सोचे। ऐसा होना ही लेखकीय सफलता है और इस तरह लेखक अपने को अपने पाठक के भीतर उड़ेलने में सफल हो जाता है। लेखक की सोच का वितान बहुत ही व्यापक है संवेदनशील मुद्दों के विषय को वह आंकड़ों सहित अपनी प्रस्तुति में पिरोता है। वहीं जन-मानस में लोकप्रिय और नित अभिरूचि के विषय की बातें लोक तरंग के इतिहास के मद्देनज़र पेश करता है।

जीवन संदेश के ज्ञान का इस तरह रूपांतरण होना ही लेखकीय अभीष्ट है। यह अंतर्ज्ञान अगर शनैः शनैः पूरे परिवार में स्थानांतरित होता चलता है तो मोटिवेशन की परिभाषा का भी रूपांतरण होकर प्रेरणा पुंज के रूप में हो जाता है। बोकिल जी मेरे परिचय वृत्त के उन यशस्वी सदस्यों में से हैं जो उच्च शिक्षित हैं और उस शिक्षा का लाभ पत्रकारिता के जरिए सामाजिक जीवन तक लोगों को पहुंचा रहे हैं। अजय बोकिल जी सरलमना हैं और पत्रकारिता से जुड़े होने के कारण रोज़ाना शब्दों की क्षीण होती जाती प्राण शक्ति के दृश्य से परिचित होते हैं और बतौर हस्तक्षेप ऐसी लाजवाब कृति सामने लाकर अपने दायित्व के निर्वाह का भौतिक स्वरूप हमें दे देते हैं।

यह एक बहुश्रुत तथ्य है कि ट्रुथ लाइज़ इन द स्टोरी (TRUTH LIES IN THE STORY) यानी सत्य कहानियों में छिपा है। इसे दादी-नानी की कहानियों की स्मृतियों से जोड़कर देखें तो समझ आएगा कि दादी-नानी की कहानियां किस्तों में सुनाई जाती थीं क्रमशः ऋमशः। इस पुस्तक का लेखक भी बस ऐसा ही करता चलता है और विभिन्न शख्सियतों,किरदारों के जरिए समग्रता में सत्य की समझ का एक आयाम पैदा करता है।

मनुष्य जाति में अब तक का कहा हुआ सारा कुछ शाश्वत सत्य की दिशा को अलग-अलग रंगों में उकेरने के प्रयासों का ही एक नाम है। यह और बात है कि शाश्वत सत्य की पहचान के लिए जरूरी चैतन्य दृष्टि के लिए मनुष्य जाति अब तक कितनी तैयार हुई है। बहुत ज़्यादा बोलने वाले जल्दी-जल्दी इसीलिए बोलते पाए जाते हैं कि वे इस तरह अपनी अहसासे-कमतरी को ही जाहिर करते हैं। जितना बहुश्रुत या बहुपठित व्यक्ति होगा वह कॉम्पैक्ट ही होगा भाषा के बोलने-बरतने में, एकदम घनीभूत। घनीभूत चीज़ों का एक मौलिक गुण होता है कि वे शाश्वत के सुदूर बिंदु की ओर इशारा करतीं हैं और वहां तक की यात्रा कर आने वाले को टाइम डायलेशन प्रभाव अनुभूत होता है। 'इक पल में सदियां जी आया ' वाला अहसास। यह संग्रह इसी मायने में लाजवाब है क्योंकि इसके इक्यासी संक्षिप्त लेख बोलते कम हैं असर ज़्यादा कर जाते हैं। युवा पीढ़ी के लिए इसकी अनुशंसा अवश्य है क्योंकि पुस्तक संस्कृति को बचाए रखने के पक्ष में यह एक ज़रूरी किताब है।

ये दुनिया आदमियों को पढ़कर पहचानने की लाइब्रेरी है। यहां आदमी नाम की किताब निःशुल्क उपलब्ध है। लेकिन कुछ अपवाद भी हैं। जैसे दुनिया की बेहतरीन पुस्तकें सबकी पहुंच में नहीं वैसे ही बेहतरीन आदमी भी सबको मिल पाना सबके नसीब में नहीं। दुनिया की सबसे मूल्यवान चीज़ें क्या हैं यह बहुतों के लिए नामालूम विषय है। इस रहस्यमय वाक्यांश को डिकोड करना हो तो इस लाजवाब किताब के पन्नों से आती विभिन्न व्यक्तित्वों की खुशबू को पढ़कर महसूस करें। तमाम विद्रूपताओं के बावजूद ये दुनिया अपने अक्ष पर अब तक क्यों टिकी हुई है इस किताब से इसका पता चलता है। इन पंक्तियों की जनक ऐसी लाजवाब किताब की शख्सियत को दिल से सलाम।

समीक्षा – राग तेलंग
पुस्तक – लाजवाब शख्सियतें-कुछ लाईक्स
लेखक – अजय बोकिल
प्रकाशक – शिवना प्रकाशन,सीहोर
कुल पृष्ठ संख्या – 274
प्रकाशन वर्ष – 2023
मूल्य – रू.400/-

कोलकाता की घटना के बाद महिला डॉक्टर और अन्य स्टाफ की दहशत में गुजरती रातें

जिला अस्पताल में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं, महज 14 गार्ड मौजूद

बैतूल। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई बर्बरता के बाद जिला अस्पताल में नाइट ड्यूटी करने वाले महिला डॉक्टर और अन्य महिला स्टाफ की रातें दहशत में गुजरती है। दरअसल जिला अस्पताल में सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त संख्या में सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं है। अस्पताल प्रबंधन को कोलकता की घटना से सबक लेते हुए अस्पताल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करना चाहिए ताकि महिला डॉक्टर और अन्य स्टॉफ बिना किसी डर के रात्रिकालीन ड्यूटी पूरी कर सके। बैतूल में 300 बिस्तरीय जिला अस्पताल संचालित है। यह 300 बेड अलग-अलग भवनों में संचालित कर रहे हैं, लेकिन यहां

सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त सुरक्षा गार्ड नहीं है। अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ-साथ अन्य नर्सिंग स्टाफ और महिला स्टाफ द्वारा रात्रिकालीन ड्यूटी की जाती है। जब से कोलकता की घटना सामने आई है, तब से रात्रिकालीन ड्यूटी करने वाले महिला स्टॉफ में दहशत बनी हुई है। दरअसल प्रत्येक वार्डों में सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं है। कुछ चुनिंदा वार्डों में ही सुरक्षा गार्डों को तैनात किया गया है। जहां सुरक्षा गार्ड नहीं है, वहां का महिला स्टाफ सबसे ज्यादा दहशत में रहता है। इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर सुरक्षा गार्डों को तैनात करने की आवश्यकता है, लेकिन इस पर अभी तक किसी ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया है।

कई बार हो चुके हैं विवाद-

जिला अस्पताल में कई बार विवाद सामने आ चुके हैं। कुछ शरारती तत्व शराब के नशे में अस्पताल पहुंच जाते हैं और डॉक्टर और स्टाफ के साथ अभद्रता करते हैं। इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अब तक सुरक्षा गार्डों की तैनाती नहीं हो सकी है। सुरक्षा गार्ड तैनात होने से डॉक्टर और कर्मचारियों में एक हौसला बना रहता है कि उनके पास सुरक्षा गार्ड हैं, लेकिन अस्पताल के कई ऐसे वार्ड हैं जहां सुरक्षा गार्ड नहीं है।

40 गार्डों के स्थान पर महज 14 गार्ड तैनात -

जिस तरह से जिला अस्पताल का कारपेट एरिया फैला हुआ है और तीन अलग-अलग अस्पताल भवनों में अलग-अलग वार्ड संचालित हो रहे हैं। इस कारपेट एरिया के हिसाब से जिला अस्पताल में लगभग 40 गार्ड तैनात होना चाहिए, लेकिन वर्तमान में जिला अस्पताल में केवल 14 सुरक्षा गार्ड तैनात है। इसमें भी अलग-अलग समय पर गार्डों द्वारा ड्यूटी की जाती है। लंबे समय से अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की संख्या बढ़ाने की मांग की जा रही हैं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। कई बार यह भी देखने में आता हैं कि अस्पताल में शरारती तत्व अंदर प्रवेश कर लेते हैं और उनके साथ कई लोगों को लेकर आ जाते हैं और विवाद करते हैं। ऐसे में एक दो गार्ड मौजूद भी रहे तो उनसे सुरक्षा व्यवस्था संभालना नहीं होती है। गार्डों के साथ ही मारपीट कर देते हैं। अस्पताल में पर्याप्त सुरक्षा गार्ड तैनात होने की स्थिति में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है।

इनका कहना

यह सही बात है कि जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की संख्या बहुत कम हैं। हमनें शासन स्तर से सुरक्षा गार्डों की संख्या बढ़ाने के लिए कई बार पत्राचार किया, लेकिन सुरक्षा कर्मियों की संख्या नहीं बढ़ी है। सुरक्षा गार्ड कम होने से पूरे वार्डों में सुरक्षा गार्डों को तैनात नहीं किया जा सकता है।

-डॉ. रविकांत उईके, सीएमएचओ बैतूल।

मलेरिया प्रभावित ब्लॉकों में 22 अगस्त को दी जाएगी मलेरिया ऑफ 200 की खुराक

बैतूल। शासन के निर्देशानुसार मलेरिया रोग की रोकथाम के लिए आयुष मलेरिया रोग नियंत्रण अभियान 2024 के तहत होम्योपैथी रोग प्रतिरोधक औषधि मलेरिया ऑफ 200 का सेवन मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में कराया जा रहा है। अभियान के तहत मलेरिया प्रभावित ब्लॉक शाहपुर एवं प्रभातपट्टन में 22 अगस्त को द्वितीय चरण की प्रथम खुराक होम्योपैथी रोग प्रतिरोधक औषधि मलेरिया ऑफ 200 खिलाई जाएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पंवार दवाई खिलाकर अभियान का शुभारंभ करेगे।

पटवारी अपने रिकॉर्ड अपडेट रखें, हर तीसरे दिन बाद की जाएगी समीक्षा : आयुक्त श्री तिवारी

बैतूल। पटवारी इस बात को प्राथमिकता दे कि जिस दिन प्रकरण प्राप्त होता है उसे उसी दिन ऑनलाइन दर्ज कर लिया जाए। आयुक्त नर्मदापुरम संभाग के.जी. तिवारी ने कहा कि पटवारी रिकार्ड को अपडेट रखें। प्रकरण दर्ज होने के तीसरे दिन प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। आयुक्त बुधवार को बैतूल में तहसील न्यायालय का निरीक्षण कर रहे थे। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार

सूर्यवंशी और एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव भी निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।आयुक्त श्री तिवारी ने तहसीलदार सुश्री ऋचा कौरव से आरसीएमएस पर दर्ज प्रकरणों का निरीक्षण किया। उन्होंने रीडर आईबी एवं पीओआईबी पर दर्ज लंबित प्रकरणों की जांच की। उन्होंने समय-सीमा में लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में आदेश जारी हो चुके है उनके रिकार्ड अपडेट हुए या नहीं। आयुक्त श्री तिवारी ने कहा कि जिले में राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण होना चाहिए। जनसुनवाई में भी अधिकतम प्रकरण राजस्व से संबंधित होते है।

बैतूल के जंगलों में मिली तितलियों की विशेष प्रजातियां

तितलियों के समर सर्वे में 43 दुर्लभ (कई विलुप्त) तितलियों की खोज

बैतूल में तितलियों की समृद्ध दुनिया, बैतूल भारतीय पारिस्थितिकी का हॉटस्पॉट

संजय द्विवेदी बैतूल।

दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल में पहली बार आयोजित तितलियों का समर सर्वेक्षण एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। 19 जून से 24 जून 2024 तक चले इस सर्वेक्षण में 43 प्रकार की तितलियों की पहचान की गई, जिसमें कई प्रजातियां ऐसी हैं जो मध्यप्रदेश में बहुत कम देखी जाती हैं। डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. की पहल पर यह सर्वेक्षण आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य तितलियों की विविधता और उनके पारिस्थितिक महत्व को समझना और उसे दस्तावेजीकरण करना था, ताकि बैतूल की प्राकृतिक धरोहर को संजोया जा सके।

तितलिया, जिनके चार चरणों में विभाजित जीवन चक्र (अंडा, कैटरपिलर, प्यूपा, वयस्क) को देखकर सभी का मन आकर्षित होता है, वास्तव में पर्यावरण के स्वास्थ्य के अत्यधिक संवेदनशील संकेतक मानी जाती हैं। ये न केवल पौधों के परागण में अहम भूमिका निभाती हैं, बल्कि इनके जरिए पर्यावरणीय कारकों जैसे आर्द्रता, तापमान और लार्वा होस्ट पौधों की उपलब्धता का आकलन भी किया जा सकता है।

दक्षिण बैतूल के वन प्राकृतिक सुंदरता के संरक्षक-बैतूल के जंगल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविधता के लिए प्रसिद्ध हैं, और यह सर्वेक्षण इस बात का प्रमाण है कि यहां के पेड़-पौधे कई दुर्लभ और असामान्य तितलियों को आकर्षित करते हैं। सर्वेक्षण के दौरान हेस्पेरिडे परिवार की स्पॉटेड स्मॉल फ्लैट तितली भी देखी गई, जो इससे पहले केवल पचमढ़ी में रिकॉर्ड की गई थी। इसका बैतूल में मिलना संकेत देता है कि इस क्षेत्र में तितलियों की और भी कई असामान्य प्रजातियां पाई जा सकती हैं। इसके अलावा स्लेट फ्लैश, कॉमन ट्रीब्राउन, कॉमन शॉट सिल्वरलाइन, कॉमन पॉमफ्लॉय, डबल बैंडेड जुडी, कॉमन थी-रिंग, कॉमन हेज ब्लू और कॉमन माइम स्वैलोटेल जैसी प्रजातियों का भी दस्तावेजीकरण किया गया।

तितलियों की समृद्ध दुनिया

भारत, अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है, और यहां तितलियों की लगभग 1,500 प्रजातियां पाई जाती हैं, जो कि दुनिया भर में पाई जाने वाली 17,000 तितली प्रजातियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इनमें से कई प्रजातियां स्थानिक हैं, यानी वे केवल भारत में ही पाई जाती हैं, जिससे भारत तितली विविधता का एक हॉटस्पॉट बनता है। मध्यप्रदेश में भी 150 से अधिक प्रजातियों की तितलियों को रिकॉर्ड किया गया है, जो कि इस राज्य की जैव विविधता का एक अनमोल हिस्सा है। इस सर्वेक्षण का एक प्रमुख उद्देश्य तितलियों की प्रजातियों का दस्तावेजीकरण के साथ लोगों में तितलियों और उनके पारिस्थितिक महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना भी था। तितलियों की उपस्थिति पर्यावरण के स्वास्थ्य का संकेत देती है, और इनका संरक्षण हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हमारे आसपास के क्षेत्रों में भी कई प्रकार की तितलियां देखी जा सकती हैं, चाहे वो चट्टानों पर धूप सेंकती हों, फूलों का रस पीती हों, या फिर मिट्टी के गीले हिस्से पर बैठे हुए खनिज और लवण चूसती हों। तितलियों की इस विविधता और उनके संरक्षण के प्रयासों के माध्यम से, हम अपनी प्राकृतिक धरोहर को संजो सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रख सकते हैं।

इन दुर्लभ तितलियों की हुई खोज

मोटल्ड इमिग्रेंट, पायनियर, लाइम स्वालोटेल, प्लेन टाइगर, पेंटेड लेडी, कॉमन ग्रास येलो, लेमन पंसी, पेल ग्रास ब्लू, स्पॉटलेस ग्रास येलो, कॉमन हेज ब्लू, कॉमन सार्जेंट, जेब्रा ब्लू, स्पॉट स्वॉर्डटेल, स्पॉटेड स्माल फ्लैट, कॉमन शॉट सिल्वरलाइन, ग्रेट एगफ्लाई, डिंगी बुशब्राउन, बैरोनेट, कॉमन थ्री-रिंग, कॉमन माइम स्वालोटेल, चॉकलेट पंसी, कॉमन ट्रीब्राउन, कॉमन पामफ्लाई, स्लेट फ्लैश, स्माल ग्रास येलो, चेस्टनट-स्ट्रिक्ड सैलर, कॉमन लेपर्ड, डार्क ग्रास ब्लू, लेमन इमिग्रेंट, डेनाइड एगफ्लाई, कॉमन कास्टर, इंडियन जेज़ेबेल, ब्लू पंसी, ग्रेट एगफ्लाई, कॉमन क्रो, कॉमन रोज स्वालोटेल, इंडियन जेज़ेबेल, स्ट्रिप्ड टाइगर, कॉमन मोरमॉन स्वालोटेल, ग्राम ब्लू, प्लम जूडी/डबल-बैंडेड जूडी, कॉमन सैलर, ब्लू पियरोट्स/स्पॉटेड पियरोट।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के बाद बैतूल से पहले मरीज के रूप में शेकलाल एयर एम्बुलेंस से भोपाल रवाना

बैतूल। पीएमश्री नि:शुल्क एयर एम्बुलेंस योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मरीजों को आपात स्थिति में तुरंत राहत प्रदान करने के उद्देश्य से निशुल्क एयर एम्बुलेंस की सुविधा प्रारंभ की गई है। इसके तहत चकोला निवासी शेकलाल हर्ले को बुधवार को सुबह 11.44 बजे बैतूल जिले के पुलिस ग्राउंड स्थित हेलीपैड से हमीदिया चिकित्सालय भोपाल के लिए रवाना किया गया।

उल्लेखनीय है कि पट्टन तहसील के ग्राम चकोला निवासी 51 वर्षीय शेकलाल हर्ले एक दिन पूर्व छज्जे पर प्लास्टर करते हुए गिर गए थे। गिरने के कारण श्री हर्ले को एयरलिफ्ट की तैयारियां की गई एवं 11 बजकर 44 मिनट पर श्री हर्ले को भोपाल रवाना किया गया। श्री हर्ले प्रदेश में पीएम श्री योजना के अंतर्गत लाभान्वित होने वाले 13वें मरीज है। श्री हर्ले के परिवारजनों ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा मरीजों के हित में चलाई गई एयर एम्बुलेंस योजना की सुविधा को जिन्दगी के लिए रोशनी की किरण बताया। जिला प्रशासन से एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, सीएमएचओ डॉ.रविकांत उईके, सिविल सर्जन डॉ.अशोक बारंगा, डॉ.चौकीकर एवं भारी पुलिस बल उपस्थित था।

डॉ.उईके ने बताया कि बैतूल से भोपाल सामान्य रूप से 4 से 5 घंटे का समय लगता है। परंतु एयर एम्बुलेंस से यह दूरी 35 मिनट में पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा इस सुविधा से एयर एम्बुलेंस अभी तक आर्थिक रूप से संपन्न मरीजों को ही मिल पाती थी। एयर एम्बुलेंस पर एक ओर का व्यय लगभग 1.78 लाख रुपए आता है, जिसका व्यय राज्य शासन द्वारा उठाया जाता है।

श्री हर्ले को मंगलवार को एयर लिफ्ट किया जाना था। परंतु मौसम की खराबी के कारण एयर एम्बुलेंस बैतूल नहीं पहुंच सकी थी। बुधवार को सुबह 11 बजे पुनरू स्पाइनल फ्रैक्चर हो जाने के कारण ऑपरेशन की जटिलता को देखते हुए उन्हें भोपाल हमीदिया चिकित्सालय में रेफर किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा पीएम श्री एयर एम्बुलेंस योजना के अंतर्गत श्री हर्ले को एयर एम्बुलेंस से भेजने की तैयारी की गई। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव को मेडिकल टीम के साथ समन्वय कर एयरलिफ्ट की समुचित व्यवस्थाओं के लिए निर्देशित किया गया।

विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न, विभिन्न शाला के विद्यार्थियों ने कुश्ती,योग, शतरंज प्रतियोगिताओं में लिया भाग

बैतूल/मुलताई। विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ न्यू कार्मल कान्वेंट स्कूल में प्राचार्य विनीत नायर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विकासखंड खेलकूद प्रभारी महेश खत्री भी उपस्थित रहे, उन्होंने शालेय खेलकूद प्रतियोगिताओं के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आज तीन अलग-अलग विद्यालय में 14,17,19 वर्ष बालक और बालिका कुश्ती, योग, शतरंज खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। योग की प्रतियोगिता पीएम श्री कन्या शाला में और कुश्ती गुरुकुल स्कूल में आयोजित हुई और शतरंज प्रतियोगिता न्यू कार्मल कान्वेंट स्कूल मुलताई में आयोजित की गई। विकासखण्ड स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जिन विद्यार्थियों का चयन किया गया है उनमे बालिका आयु वर्ग 14 वर्ष में देवांशी, आर्या वी आई पी ,गरीमा, भारती, कनिष्ठ ,पी एम श्री कन्या शाला। 17 आयु वर्ग में अवनी मालवीय,वी आई पी,चेतना रोडले ,रेशम हिगवे, अक्षरा टेटे, कोरोला पब्लिक स्कूल और हिमाणी सी एम् राइज स्कूल मुलताई से।

19आयु वर्ग बालिका से अनुष्का हिगवे, आयुशी धोटे, अर्चना, प्रतिष्ठा, चंचल न्यू कार्मल कान्वेंट स्कूल से चयनित। बालक आयु वर्ग 14। दक्ष सोनी,वी आई पी,सृजन ,वैभव आर डी पब्लिक स्कूल मुलताई, निहित, तुषार, कोरोला पब्लिक स्कूल मुलताई से। बालक 17 वर्ष मितय, वैभव, कोरोला पब्लिक स्कूल से, प्रतिक, वीआईपी, श्रेयस, कोरोला स्कूल से अंश, आरडी पब्लिक स्कूल से त्रमबयेकश, कोरोला पब्लिक स्कूल से। 19 बालक आयु वर्ग हिमेश बोबडे, न्यू कार्मल कान्वेंट स्कूल, ऋषभ पवार, कृणाल, गुरुकुल स्कूल, यशराज साहू , शेख जिशान,सी एम् राइज स्कूल से चयनित हुए। इनकी जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता 23,, अगस्त को न्यू कार्मल कान्वेंट स्कूल में सम्पन्न होगी।इस प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में न्यू कार्मल कान्वेंट स्कूल संचालक अनिश नायर, बाबा जी, खेल शिक्षक कामना साबले, कल्याणी नरवरे, चेतना साहू, खुशबू पवार,जितेश पवार, सुमित सिग चौहान,अन्य शिक्षकों का सहयोग रहा।

धूमधाम से मनाया भुजलिया पर्व, गांव की पारंपरिक धरोहर को फिर से जीवंत किया

बैतूल। भुजलिया पर्व की पुरानी परंपरा को जीवंत रखते हुए महिलाओं ने भव्य भुजलीया यात्रा निकाली। इस पारंपरिक आयोजन में महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हर साल की तरह इस साल भी साहू परिवार की महिलाएं पाल परिवार के यहां भुजलीया लेकर एकत्रित हुईं और शाम को गाजे-बाजे के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया।महिलाएं सिर पर भुजलिया की टोकरियां सजाकर निकलीं, और उत्साह से भरी इस यात्रा ने गांव में उमंग और खुशी का माहौल बना दिया। यात्रा के दौरान महिलाएं पूरे गांव का भ्रमण करती हुईं अभोरा नदी

तक पहुंचीं, जहां परंपरा के अनुसार भुजलिया को पानी में धोया गया। इसके बाद, महिलाएं भुजलीया को घर वापस लेकर आईं, जिससे पूरे गांव में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ।

इस भव्य कार्यक्रम में नगर की सैकड़ों की संख्या में महिलाएं सिर पर भुजलिया लेकर इस यात्रा में शामिल हुईं, जिससे यह आयोजन और भी भव्य हो गया। ग्रामवासियों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय और सहयोग का बेहतरीन उदाहरण पेश किया, जिससे नगर में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। भुजलिया यात्रा ने गांव की पारंपरिक धरोहर को फिर से जीवंत किया, जिससे सभी ग्रामीणों ने गर्व महसूस किया।

वादा करके बेच दिए 60 प्लाट, 5 साल में नहीं दी सुविधाएं

बैतूल। अवैध कालोनियों में सुनहरे सपने देखने वाले लोगों के सपने कालोनाइजरों द्वारा कैसे चकनाचूर किए जाते है इसकी बानगी आज फिर देखने में सामने आई, जब शहर के बडोरा में स्थित स्काई सिटी में रहने वाले करीब 60 परिवार के लोगों ने कॉलोनाइजर पर सुविधा प्रदान नहीं किए जाने का आरोप लगाकर कलेक्टर से ज्ञापन सौंपकर शिकायत की है। उनका कहना है कि 5 साल बीत गए, लेकिन ना बिजली के पोल लगाए और ना लोगों को राहत देने के प्रयास किए गए। अब अस्थाई कनेक्शन भी बिजली कम्पनी द्वारा काटे जाने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

कालोनी में रहने वाले लोगों ने कलेक्टर को बताया कि, वे सभी स्काई सिटी बटामा कालोनी में निवास करते है। मौजा बटामा प.ह.नं. 69/57 खसरा नंबर 11-1 (8) के प्लाट उन्होंने लाभमन जैन वल्द बसंती लाल जैन निवासी पोस्ट नरखेड़ा तहसील जिला आगर तथा मुख्त्यारग्रहिता श्रुति रांका पिता लाभमन जैन पति अमित राका निवासी टैगोर वार्ड सिविल लाईन बैतूल से खरीदे थे। उक्त प्लाट हमे विक्रय करते समय अमित राका द्वारा कहा गया था कि बिजली नाली एवं सड़क की व्यवस्था करके दी जाएगी। पोल लगा दिये गये है बस एक दो माह में बिजली की भी व्यवस्था हो जावेगी इस तरह हमारे द्वारा अमित राका

की बातो में आकर उक्त कालोनी में प्लाट कय करके अपने अपने प्लाट की रजिस्ट्री निष्पादित की गयी और मकान भी बना लिए गए। किंतु चार पांच वर्ष हो चुके हैं। बिजली की व्यवस्था नही की गई है। सवाल यह है की जब उक्त कालोनी काटी गई थी तब बिजली नाली एवं रोड के नही होने पर भी उसे प्लाट विक्रय करने की अनुमति आखिर कैसे दे दी गई, जबकि शासन के निर्देशों के मुताबिक जब तक कॉलोनी मे बिजली नाली एवं रोड ना हो तब तक कालोनी अवैध मानी जाती है। किंतु अमित राका द्वारा कुल 60 प्लाट विक्रय किए गए है जिसमें से 23 लोग मकान बनाकर यहां निवासरत् है। हम सभी दूसरी अस्थाई कनेक्शन दूसरी कालोनी से लेकर यहां निवास कर रहे हैं। अस्थाई कनेक्शन होने से बिजली बिल भी अधिक मात्रा में आता है।

अब बिजली कम्पनी ने भी मियाद देकर हमारे घरों में लगे अस्थाई कनेक्शन काटे जाने के नोटिस जारी कर दिए हैं। इससे कालोनी वासियों की मुसीबतें बढ़ना तय माना जा रहा है। कालोनी वासियों ने कलेक्टर से मांग की है कि, कॉलोनाइजर पर कड़ी कार्यवाही कर हमें सड़क, बिजली पानी की सुविधा दिलवाई जाए। इस संबंध में जब कालोनाइजर अमित राका से हमारे संवाददाता ने बात करना चाही तो काफी देर तक उनके दोनो मोबाइल नंबर स्वीच ऑफ हीं मलते रहे।

सापना जलाशय हुआ ओवरफ्लो, किसानों को मिल सकेगा भरपूर पानी

बैतूल। जिले का मध्यम सिंचाई परियोजना का सापना जलाशय मंगलवार की दोपहर एक बजे के करीब ओवर फ्लो हो गया डेम फुल होने की खबर से इलाके के किसानो के चेहरे खिल उठे।

इस वर्ष इलाके में बहुत ही धीमी गति से बारिश हुई जिसके चलते सापना जलाशय के भरने की उम्मीद कम ही नजर आ रही थी लेकिन ऊपरी हिस्सों में तेज बारिश के क्रम ने जलाशय में पानी की आवक बढ़ा दी भुजरियां पर्व के दिन डेम भरा कर ओवर फ्लो हो गया जिससे किसानो ने राहत की सांस ली। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया की मंगलवार की दोपहर को डेढ़ बजे के करीब जलाशय ओवर फ्लो हो गया डेम से करीब तीन इंच पानी बाहर निकल रहा है डेम का टैंक लेबल 505.505 हो गया है डेम का फुल टैंक 694.486 हो गया है सापना क्षेत्रबमे कुल 580 मी.मी. बरसात हुई है डेम भरने से अब किसानों को रवि सीजन की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा।

जिले में हुई 30 इंच झमाझम बारिश

बैतूल। जिले के कई ब्लॉक में झमाझम बारिश हुई है। मंगलवार दिन भर मौसम साफ रहा हल्की धूप भी निकली लेकिन रात में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और रात में तेज बारिश होना शुरू हो गई। काफी समय तक जोरदार बारिश होते रही।

भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार रात को बैतूल मुख्यालय पर 71.5, घोड़ाडोंगरी 70.0, चिचोली 34.0, शाहपुर 30.0, मुलताई 4.0, प्रभात पट्टन 9.2, आमला 27.0, आठनेर 28.2, भीमपुर में 14.0 मिमी बारिश दर्ज की है। अगले 24 घंटे के दौरान जिले में फिर बारिश होने की संभावना है।

ब्लॉक	कुल बारिश इंच में
बैतूल	29
घोड़ाडोंगरी	36
चिचोली	34
शाहपुर	36
मुलताई	22
पट्टन	25
आमला	35
भैंसदेही	27
आठनेर	21
भीमपुर	35

बैतूल जिले में कुल औसत बारिश 30 इंच हो

भैंस भी नहीं छोड़ रहे चोर, ले जा रहे थे चुराकर

बैतूल। घर में घुस कर नकदी और कीमती जेवरात की चोरी तो आम बात है। मवेशियों की चोरी के मामले विरले ही सुनने को मिलते थे। लेकिन, अब शातिर चोर गाय-भैंसों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसे में एक

मामले में बैतूल जिले के सारणी थाना क्षेत्र से दो आरोपी 3 भैंसों को चुरा कर ले जा रहे थे। शुक्र था कि घोड़ाडोंगरी पुलिस चौकी में मुखबीर से सूचना मिल गई। इससे समय रहते ही आरोपियों को दबोच लिया गया। पुलिस ने बताया कि 19 अगस्त को फरियादी ब्रज सिरसाम निवासी कोलगांव ने सारणी थाना में रिपोर्ट किया कि रात्रि में अपनी भैंस घर के सामने बांधकर रखा था। जिसे कोई अज्ञात चोर दो भैंस चोरी कर ले गए। उसी दिन फरियादी कुणाल मानकर निवासी शोभापुर कॉलोनी पाथाखेड़ा ने रिपोर्ट किया कि उसने अपनी भैंस अपने घर के सामने बांधकर रखी थी। जिसे रात्रि में कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया। विवेचना के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि घोड़ाडोंगरी में एक पिकअप में 03 भैंस ले जाते हुए पकड़ी गई है। चोरी की गई भैंस के फरियादियों को ले जाकर भैंस की पहचान कराई गई। दोनों फरियादी ने अपनी भैंस होना बताया। प्रकरण में आरोपी राजू पिता मुंशी बारसे निवासी ग्राम जमालपुर थाना सारणी, विशाल पिता फतेह सिंह मर्सकोले निवासी ग्राम माथनी थाना सारणी, श्याम पिता गिरधारी लाल धुर्वे निवासी ग्राम खकरा ढाना थाना सारणी को गिरफ्तार किया। आरोपियों से चोरी गई 03 भैंस कीमत 1,20,000 रुपए एवं पिकअप कीमत 8 लाख रुपए कुल मशरूका 9,20,000 का बरामद किया गया। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ भैंसों को चोरी किया गया था। आरोपियों ने बताया कि वे इन भैंसों को बेचने के लिए भोपाल लेकर जा रहे थे। आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेजा गया। प्रकरण में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

टाटा सफारी में भर रहे थे गोवंश, पुलिस ने पकड़े

बैतूल। पुलिस की लगातार चौकसी के बावजूद तस्कर गोवंश की तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे ही एक प्रयास को विफल

करते हुए पुलिस ने एक टाटा सफारी जब्त की है। इसमें 2 गोवंश ले जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि 20-21 अगस्त को रात्रि में थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ताप्ती नदी किनारे के गाँव सराड़ में एक टाटा सफारी कार में गौवंश को भरकर महाराष्ट्र लेकर जाने वाले हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस द्वारा ग्राम सराड़ में दबिश दी गई। यहां पुलिस ने पाया कि गौ तस्कर एक सफेद रंग की टाटा सफारी कार में गौवंश को भर रहे थे। पुलिस को देख कर आरोपी मौके पर टाटा सफारी कार व मवेशी छोड़ कर भाग गए। टाटा सफारी कार में बीच व पीछे की सीट को हटा कर मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भरा गया था। मौके पर पुलिस द्वारा सफेद रंग की टाटा सफारी कार एवं 02 मवेशियों को जब्त कर कार्यवाही की गई। गौवंश को त्रिवेणी गौशाला भेजा गया है। गौ वंश को टाटा सफारी में भरवाकर परिवहन करवाने वाले अज्जू नागले निवासी सराड़ व सफारी वाहन के मालिक की तलाश की जा रही है। आरोपियों के विरुद्ध 4, 6, 9 गौवंश वध अधिनियम एवं 11 (घ) पशुओं के प्रति क्रूरता अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक इरफान कुरैशी, आरक्षक रोहित चौकी खेड़ी की भूमिका रही।

पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

नरसिंहपुर। मिशन शक्ति के 9 वें सप्ताह के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय- पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा, वित्तीय सुरक्षा और महिलाओं के खिलाफ हानिकारक प्रथाओं को समाप्त करने पर केन्द्रित जानकारी प्रदान की गई। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ के उद्देश्य व घटकों से बलिकाओं को सजग किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी श्रीमती शिव कुमारी तिवारी, बाल संरक्षण अधिकारी सौनिध्य सराठे, चेतना उपाध्याय, ज्योत्सना झारिया और विद्यार्थी मौजूद थे।

भड़के ग्रामीणों ने ग्राम सभा का किया बहिष्कार

बैतूल। ग्राम पंचायत बांसपानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम ठानी में मंगलवार को आयोजित ग्राम सभा का ग्रामीणों द्वारा बहिष्कार कर दिया गया। गांव के विकास कार्यों की अनदेखी और हर बार किए जाने वाले वादों की अनदेखी से तंग आकर ग्रामीणों ने इस बार अपना विरोध खुलकर जाहिर किया। ग्राम सभा के लिए सरपंच सोनू उइके, पंचायत सचिव फगन उइके और जीआरएस रामपाल बामने जब गांव पहुंचे तो उन्हें ग्रामीणों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने एकजुट होकर ग्राम सभा का बहिष्कार किया और सरपंच तथा सचिव को सभा का आयोजन नहीं करने दिया। सरपंच सोनू उइके ने ग्रामीणों को समझाने का हरसंभव प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने उनकी एक न सुनी और अपनी मांगों पर अड़े रहे। ग्राम के निवासी रोहित पाल ने बताया कि गांव में विकास के नाम पर कुछ भी नहीं हो रहा है। बारिश के दौरान गांव का मुख्य मार्ग कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों को हाईवे तक पहुंचने के लिए 7 किलोमीटर का चक्कर लगाकर उमरवानी होते हुए जाना पड़ता है। इस समस्या के कारण गांव के बच्चों को भी स्कूल जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्कूल के छात्र कीचड़ भरे मार्ग से गुजरने को मजबूर हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। रोहित पाल ने आगे बताया कि हर बार ग्राम सभा में सचिव फगन उईके विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव लेकर आते हैं, लेकिन उन पर कभी कोई अमल नहीं होता। ग्रामीणों का कहना है कि उनके गांव में पिछले कई सालों से कोई भी ठोस विकास कार्य नहीं किए गए हैं। सिर्फ कागजों पर प्रस्ताव पास होते हैं, लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं दिखता। गांव के अन्य निवासियों ने भी इस बात पर रोष व्यक्त किया कि जब भी ग्राम सभा का आयोजन होता है, तब सरपंच और सचिव सिर्फ आश्वासन देकर चले जाते हैं, लेकिन उन वादों पर कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे उनकी नाराजगी और बढ़ती जा रही है। ग्रामवासियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनके गांव में विकास के ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक वे ग्राम सभा का बहिष्कार जारी रखेंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो वे आने वाले समय में बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया है कि ग्राम ठानी के मुख्य मार्ग को जल्द ही किसी भी मद से बनवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र बैतूल विधानसभा के अंतर्गत आता है और यहां के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रामीणों की समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा।

बेअरलॉकर उद्योग ने लगाया माता टेकरी पर सोलर सिस्टम,एसडीएम ने किया लोकार्पण

देवास। देवास स्थित उद्योग बेअरलॉकर एडिटिव्स ने प्रशासन को सहयोग करते हुए अपने सीएसआर मद से माता टेकरी पर सोलर सिस्टम लगाया है। जिसका लोकार्पण कपंनी प्रबंधन के साथ आज एसडीएम बिहारी सिंह ने किया। कपंनी प्रबंधक प्रवीण शर्मा ने बताया कि भूमिपूजन के बाद निर्धारित समय में प्रोजेक्ट पूरा होकर आज सोलर सिस्टम का लोकार्पण एसडीएम बिहारी सिंह के हाथों हुआ। इस सिस्टम के माध्यम से प्रतिमाह तकरीबन 08 हजार युनिट बिजली मिलेगी । अब तक टेकरी पर औसत मासिक खपत 12 हजार युनिट की है और उस सिस्टम लागू जाने के बाद तकरीबन 04 हजार युनिट बिजली बिल का ही भुगतान करना पड़ेगा। कार्यक्रम मे तहसीलदार निधि राजपूत, कपंनी के सीएसआर हेड मुकेश मेहता,सुशांत खडताले, अभिनव जाधव,हिरेश ओझा,प्रदीप कुमार सिंह,सिद्धि कुकड़े तथा कपंनी के सीएसआर सहयोगी एक्ट ईव फाउंडेशन के मोहन वर्मा उपस्थित थे।

पिपरिया उप जेल में सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर की बहिनों ने बांधी कैदियों की कलाई में राखी

सुबह सवेरे सोहागपुर । पिपरिया उप जेल में सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर की छात्रों बहनों ने सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर की बहनों ने 19 दंडित तथा 128 विचाराधीन कुल 147 कैदीयों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन त्यौहार सामाजिक सरोकार के रूप में मनाया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत कैदियों को बहनों द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर जेल विभाग की कार्यप्रणाली से अवगत कराना था। इस अवसर पर जेल अधीक्षक मनीष पवार ने कहा कि जेल में कैदियों के लिए सुधार हेतु सतत् प्रयास किए जाते हैं । कैदियों में नकारात्मक भाव उत्पन्न न हो इसलिए शासन स्तर पर भी सतत् निगरानी की जाती है । जेल के अंदर केदियों के लिए पुस्तकालय भी है। यहां कैदी पुस्तकों का अध्ययन कर सकते हैं ।कैदियों की सुरक्षा ही हमारी जिम्मेदारी है कैदियों को भी छोटे-मोटे कार्यों के माध्यम से व्यस्त रखा जाता है ।जिससे उनके मन के अंदर नकारात्मक भाव उत्पन्न न हो । इस अवसर पर कई वक्ताओं ने अपने विस्तृत विचार व्यक्त किए ।इस उल्लेखनीय भ्रमण के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर प्राचार्य, प्रधानाचार्य,सरस्वती शिशु मंदिर को संचालित करने वाली नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शिक्षा समिति के पदाधिकारी, आचार्य गण, सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय की 29 बहनें एवं उप जेल पिपरिया के 147 कैदी गण उपस्थित थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जीवन जी दुबे ने बताया कि कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के माध्यम से किया गया।

सीएम राइज आमला के विद्यार्थी राज्य स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में शामिल होने राजगढ़ रवाना...

अन्तर विद्यालयीन राज्य स्तरीय नकद पुरूस्कार खेल प्रतियोगिताओं के तहत संभाग स्तर पर वालीबॉल प्रतियोगिता दिनांक 1 एवं 2 मार्च 2024 को नर्मदापुरम मे आयोजित की गयी 7 जिसमें 17 वर्ष बालक अन्तर्गत सीएम राइज स्कूल आमला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। अब यह टीम राज्य स्तर पर दिनांक 22 से 24 अगस्त 2024 तक राजगढ मे आयोजित प्रतियोगिता जिसमे प्रथम पुरस्कार 3 लाख, द्वितीय 2 लाख एवं तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपये है, मे सम्मिलित होगी। जिसके लिए सीएम राइज आमला की टीम एवं कोच गणेश बारस्कर तथा खेल प्रभारी शिक्षक परवेज आलम दिनांक 21 अगस्त को राजगढ़ रवाना हुये।. इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार खैरवाल , शिक्षक प्रदीप नागले, एवं धनराज कहार ने टीम को शुभकामनाओ के साथ रवाना किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ एवं पालकों द्वारा अग्रिम शुभकामनाएं दीं गयी 7

आरक्षण को लेकर वंचितों का नर्मदापुरम में प्रदर्शन

अनुसूचित जनजाति के अधिकारों से वंचित करने के षड्यंत्रों के विरोध में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर

आल इंडिया दलित एक्शन कमेटी के बैनर तले महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित करते आल इंडिया दलित एक्शन कमेटी के जिला अध्यक्ष गणेश अहिरवार के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर नगर निरीक्षक कंचनसिंह भी उपस्थित थीं ।ज्ञापन सौंपने के उपरांत जिला अध्यक्ष गणेश अहिरवार ने इस प्रतिनिधि को बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति के आरक्षण में क्रीमिलेयर जारी कर संघर्षशील जातियों को उनके हक अधिकारों से बंचित करने का षडयंत्र रचा जा रहा है।

उल्लेखित घटना की विभिन्न माध्यमों से प्रकाशित होने से देश का अनुसूचित वर्ग ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण

आरक्षित व अल्प संख्यक वर्ग के वंचित नागरिक इस निर्णय से दुखी होकर दहशत में है। इस कारण आप महामहिम राष्ट्रपति महोदय से अनुरोध है कि 1 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट के एस सी एस टी के आरक्षण के तहत वर्गीकरण हो तथा कीमिलेयर भी लागू हो, यह फैसला हमें आपस में वर्गीकृत करने का है। इस पर तुरंत रोक लगाई जाए ।तथा इन वर्गों की जातियां अपनी भागीदारी से बंचित रह गयी है।

अत: संपूर्ण देश में रिक्त विभिन्न संवर्ग के पदों पर स्थायी नियुक्ति देकर उनके पिछड़ेपन को दूर किया जाए । एवं समय सीमा में अभियान चलाकर नियुक्तियां दी जाएं। आल इंडिया दलित एक्शन कमेटी जिला अध्यक्ष गणेश प्रसाद अहिवार , तहसील अध्यक्ष मध्यप्रदेश अनूसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ सुमित्रा देवी अहिरवार , जिला अध्यक्ष अहिरवार समाज संघ भारत कैलाश चंद खुराना, जयस अध्यक्ष फागूराम अहिरवार ,भूरेलाल अहिरवार, रामकिशन अहिरवार ,गोपालप्रसाद अहिरवार, अमरसिंह अहिरवार, गेंदालाल अहिरवार बालकिशन अहिरवार ,धनराज अहिरवार ,लखनलाल अहिरवार, सुरेखा अहिरवार, रेखा दोहरे ,राजू अहिरवार तालबृज अहिरवार ,माधवसिंह अहिरवार ,घनश्याम अहिरवार भाईजीप्रसाद अहिरवार ,रामदास

अहिरवार ,रेवाराम अहिरवार ,मुन्नालाल अहिरवार आदि उपस्थित थे।

इधर नर्मदापुरम में भी वंचित समाज के नागरिकों एवं मातृशक्ति ने जूलूस निकाल कर संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। उक्त आश्य की जानकारी वंचित को लड़ाई लड़ने वाली सुमित्रा अहिरवार सोहागपुर ने सुबह सवेरे संवाददाता को दी।

राइट क्लिक

लेटरल एंट्री पर सरकार का यू-टर्न और विपक्ष के हाथ लगी 'मास्टर की'

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

सिविल सेवा में लेटरल एंट्री के विज्ञापन पर मचे बवाल के तीन दिन बाद ही इस मुद्दे पर मोदी सरकार द्वारा यू-टर्न लेने का मतलब साफ है कि हाल के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष और खासकर कांग्रेस के हाथ संविधान और आरक्षण की वो 'मास्टर की' लग गई है, जो मोदी सरकार की किसी भी पहल की भ्रूण हत्या कर सकती है। लेटरल एंट्री मामले में भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार की नीयत पर यह कहकर सवाल उठाए थे कि बिना आरक्षण प्रावधान से पिछले दरवाजे से यह सीधी भर्ती इस का सूचक है कि मोदी सरकार आरक्षण को खत्म करना चाहती है और आरक्षण को न मानना संविधान खत्म करने जैसा है। गौरतलब बात यह है कि मोदी सरकार ने लेटरल भर्तियां 2018 में ही शुरू कर दी थीं। लेकिन तब विपक्ष की ओर से भी इसका खास विरोध नहीं हुआ था, जो अब हो रहा है। सरकार इसका न तो कोई ठोस तोड़ खोज पा रही है और न ही विपक्ष के हमलों का पुरजोर राजनीतिक जवाब दे पा रही है। राहुल गांधी के अलावा खुद एनडीए के दो घटकों 'जद यू' और 'लोक जन शक्ति पार्टी' ने भी इन नियुक्तियों का सार्वजनिक रूप से विरोध कर दिया। हालांकि सरकार में शामिल एक और घटक टीडीपी ने इसका समर्थन किया। बावजूद इसके सरकार ने संविधान और आरक्षण के मुद्दों को लेकर आसन्न राजनीतिक खतरों को भांपा और अपनी बात पर अड़े रहने की जगह बैक फुट पर जाना ही बेहतर समझा। यह भी साफ हुआ कि एनडीए में लेटरल एंट्री पर एकमत नहीं है। कहने को मोदी कैबिनेट के प्रवक्ता और केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कमजोर पलटवार जरूर किया कि लेटरल एंट्री का विचार सबसे पहले कांग्रेसनीत यूपीए सरकार में ही आया था। लेकिन अब कांग्रेस ही इसका विरोध रही है।

दरसअल मोदी 1.0 व 2.0 के ठीक उलट मोदी 3.0 में सरकार को कोर मुद्दों पर बार- बार बैक फुट पर जाना रहा है। मसलन वक्फ बिल सरकार ने संसद में पेश तो किया लेकिन व्यापक विरोध के चलते उसे जेपीसी के पास भेजना पड़ा। हालांकि कुछ लोग इसके पीछे भी भाजपा की रणनीति देख रहे हैं। इसी तरह समान नागरिक संहिता (जिसे अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सेक्युलर सिविल कोड कह रहे हैं), के मानसून सत्र में संसद में पेश किए जाने की चर्चा थी। लेकिन वह भी नहीं हो पाया। इसके बाद एससी/एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के 'सुझाव' को भी मोदी सरकार ने मानने से इंकार कर दिया। अब लेटरल एंट्री के सवाल पर भी सरकार ने यू टर्न लेकर इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। इससे यह आशंका सही साबित हो रही है कि एनडीए गठबंधन की सरकार सत्ता संचालन के पिच पर उस तरह से धुआंधार बल्लेबाजी नहीं कर पाएगी, जैसी कि वो पूर्व के दो कार्यकालों में कर सकी थी। दूसरे कार्यकाल में केवल तीन विवादित कृषि कानूनों का मुद्दा ही ऐसा था, जब मोदी सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। लेकिन अब यह बार बार होता दिख रहा है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा में लेटरल एंट्री की विधिवत शुरुआत मोदी 1.0 में 2018 में हुई। तब पहली बार 9 विशेषज्ञों को केन्द्र सरकार के अलग-अलग विभागों में अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया गया। इन नियुक्तियों पर सवाल तो तब भी उठे थे, लेकिन कोई राजनीतिक बवाल नहीं मचा। इन 9 विशेषज्ञों का चयन भी यूपीएससी ने 6077 आवेदनों में से किया था। इसमें किसी तरह के आरक्षण का प्रावधान नहीं था। ये नियुक्तियां 3 से 5 साल तक के लिए की गई थीं। इनका कोई अलग से कैडर नहीं है। इसका अर्थ यह है कि अनुबंध की अवधि समाप्त होते ही इन्हें अपनी जिम्मेदारियों से हटना था। बीते 6 सालों में हुई लेटरल एंट्रियों के जरिए भर्ती हुए विषय विशेषज्ञों का क्या परफार्मेंस रहा, प्रशासन को और कार्यक्षम बनाने में उनकी क्या भूमिका रही, यह प्रयोग कितना सफल और कितना जरूरी समझा गया, आईएएस के एक सुगठित और जटिल जाल में लेटरल एंट्री छाप अधिकारी कितनी आजादी से काम कर पाए, उनकी काबिलियत का सरकारी तंत्र में कितना सदुपयोग हुआ, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। फिर भी सरकार ने ये भर्तियां जारी रखी हैं, इसका अर्थ यही मानें कि वह इन लेटरल एंट्री नौकरशाहों के काम से संतुष्ट रही होगी।

लेकिन तब और अब में राजनीतिक फर्क यह है कि जब लेटरल एंट्री सूत्र पर अमल शुरू हुआ तब इसे सरकार में कारपोरेट मानसिकता की सीधी एंट्री और पूंजीवाद के फैलते जाल के रूप में देखा गया था, जिसकी प्राथमिकताएं लोक सेवक से अलग और एक संस्थान को हर हाल में मुनाफे में चलाने के आग्रह से निर्देशित होती हैं। 'जनसेवा' वहां केवल पैसे के बदले दी जाने वाली 'सर्विस' और तकनीकी गुणवत्ता ग्राहक को संतुष्ट के करने के भाव से तय होती है ताकि उपभोक्ता कंपनी से न सिर्फ जुड़ा रहे बल्कि बार उसकी सेवाएं लेता रहे। जबकि एक लोकसेवक संविधान और चुनी हुई सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध होता है। लोक प्रशासन का अपना एक विशाल और बेहद जटिल तंत्र है, जो कई गुणों और दोषों से भरा हुआ है। इसमें भी चंद लोग नवाचारी निकल आते हैं। कई भ्रष्टाचार को ही 'लोकसेवा' मान लेते हैं तो ज्यादातर अपनी गर्दन बचाकर नौकरी करते जाने को ही लोकसेवा मानते हैं। इस तंत्र में प्रतिस्पर्द्धा पेशेवर अथवा गुणवत्ता के बजाए मलाईदार पोस्ट हथियाने और राजनीतिक आकाओं को खुश रखने की ज्यादा होती है। दूसरी तरफ कारपोरेट क्षेत्र से आने वाले विशेषज्ञ तुलनात्मक रूप से ज्यादा आजादी,कड़ी व्यावसायिक प्रतिस्पर्द्धा और न्यूनतम जवाबदेही के माहौल के काम करने आदी होते हैं। वहां प्रतिस्पर्द्धा अपना 'बेस्ट' देने के आग्रह से ज्यादा संचालित होती हैं। हालांकि व्यवसायगत चालाकियां और दुरभिसंधियों का बोलबाला वहां भी है, लेकिन मालिक को साधकर काफी कुछ साधा जा सकता है।

ऐसे में लेटरल एंट्री भारत के जटिल प्रशासनिक तंत्र में कितनी कारगर है, यह अध्ययन का विषय है। ऐसे लोग एक रूढ़िवादी और जड़ मानसिकता भरे तंत्र में कुछ नया करना चाहें भी तो उनके पास समय बहुत कम होता है। महज 3 या 5 साल की नौकरी में कोई बड़ा नवाचार वो कर पाते होंगें, कहना मुश्किल है। शीर्ष पदों पर तो यह फिर भी संभव है, लेकिन डिप्टी सेक्रेटरी और निदेशक पदों पर यह ज्यादा मुश्किल है, जहां आदेश का ठीक से पालन कराना ही पहला काम है।

बहरहाल विपक्ष ने जो मुद्दा उठाया है, वह राजनीतिक रूप से अहम इसलिए है, क्योंकि यूपीएससी के हालिया विज्ञापन में आहूत 45 लेटरल भर्तियों में जातिवार आरक्षण का कोई जिक्र नहीं था। जबकि सरकार की यह संवैधानिक बाध्यता है। क्या यूपीएससी में बैठे लोगों को नियम- कायदों का पता नहीं था? या केवल बदले हालात में राजनीतिक टेस्टिंग के मकसद से यह विज्ञापन जारी किया गया? हाल के वर्षों में नियम- कायदों को दरकिनार कर सरकारी भर्तियों के विज्ञापन जारी होने की घटनाएं बढ़ी हैं। अमूमन हर विज्ञापन पर बवाल मचता दिखता है। मामला कोर्ट में जाता है। वहां से डांट पड़ती है। कहना कठिन है कि ऐसा जानबूझकर हो रहा है या फिर जो लोग जिम्मेदार पदो पर बैठे हैं, वो अज्ञानी हैं।

यह भी सही है कि नौकरशाही में सुधार की मंशा से लेटरल एंट्री का विचार काफी पुराना है। बुनियादी तौर पर इसमें कुछ गलत भी हैं। क्योंकि कुछ लोगों का मानना है कि निजी क्षेत्र से आए विषय विशेषज्ञ ब्यूरोक्रेसी की जड़ता में नवाचार और द्रुत गति की लहरें पैदा कर सकते हैं। शायद यही कारण है कि पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लेटरल एंट्री का समर्थन किया। खुद कांग्रेस ने भी समय समय पर सिविल सेवकों के इतर प्रतिभाशाली लोगों को सीधे सरकार में नियुक्तियां दी थीं, वो भी एक तरह लेटरल एंट्री ही थी। लेकिन कांग्रेस इसे संस्थागत रूप देने का साहस नहीं जुटा पाई, जो बाद में मोदी सरकार ने किया। अब वही कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। यहां एक सवाल यह भी है कि बेशक सरकारी नियुक्तियों में आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन हर नियुक्ति केवल आरक्षण के हिसाब से होगी तो लेटरल नियुक्ति का उद्देश्य भी केवल नौकरी देने तक, भले ही वह सीमित अवधि के लिए हो, रह जाएगा। हाल में जो विवाद छिड़ा उसका सीधा लक्ष्य वोट बैंक है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के बाद से ही संविधान और आरक्षण की टेक को इतनी बारीकी से पकड़ा हुआ है कि भाजपा और मोदी सरकार उसकी पकड़ से निकल ही नहीं पा रहे हैं। सरकार और पार्टी यह दमदारी से कह ही नहीं पा रही है कि वो जो कुछ कर रहे हैं, वो देशहित में है और सही है। क्योंकि आरक्षण की बात आते ही भाजपा को अपना ओबीसी, दलित और आदिवासी वोट बैंक खिसकने का डर है। वैसे भी भाजपा लोकसभा चुनाव के दूध की जली है। लिहाजा ऐसा कोई भी परसेप्शन जो उसके संविधान खत्म करने या आरक्षण समाप्त करने का गढ़ता हो, वह छुईमुई हो जाती है। लेटरल एंट्री के मामले में बैक फुट पर जाना इसी का परिचायक है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस तरह सरकार पांच साल तक कैसे चलेगी ?

मुख्यमंत्री का पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती सिंह ने माना आभार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंगरौली जिले की चितरंगी विधानसभा क्षेत्र को अनेक सौगाते दी हैं। सिंगरौली जिले के चितरंगी विधानसभा क्षेत्र के देवसर तहसील के 142 ग्रामों में दावयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना जिसकी लागत 1320.14 करोड़ रूपये, जिससे 32,125 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र की स्वीकृति प्रदान की है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

श्रीमती सिंह ने कहा कि इस ऐतिहासिक, महत्वपूर्ण निर्णय से क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के किसानों को इसका लाभ मिलेगा। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिससे सिंगरौली जिले का विकास होगा।

भोपाल में ऑटो पलटने से बुजुर्ग महिला की मौत

बांसखेड़ी में गाय को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। हबीबगंज थाना इलाके में गाय को बचाने के प्रयास में ऑटो पलट गया। हादसे के समय ऑटो में चार लोग बैठे थे। ऑटो के नीचे दबने से बुजुर्ग महिला को गंभीर चोट आई थीं। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान मंगलवार की रात को उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है।

पुलिस के मुताबिक मुन्नी बाई सोनकर (60) रामचरण सोनकर निवासी सुमित्रा परिसर कोलार रोड वन विभाग में बतौर आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत थीं। उनकी ड्यूटी वन विभाग की एक नर्सरी में चल रही थी। मंगलवार की शाम को करीब 6 बजे ड्यूटी से घर ऑटो में सवार होकर लौट रही थीं। 11 सौ क्वार्टर के पास ऑटो गाय सामने आने के बाद पलट गया था। हादसे के समय ऑटो में सवार चालक सहित तीन अन्य सवारियों को मामूली चोट आई थीं। जबकि मुन्नी बाई ऑटो के नीचे दबने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें कोलार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। इधर, पुलिस का कहना कि हादसे की जांच की जा रही है।

अनियमितताओं के चलते 2 सेवानिवृत्त तहसीलदारों की पेंशन रोकने के आदेश

भोपाल (नप्र)। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने बताया कि अनियमितताएँ करने पर 2 सेवानिवृत्त तहसीलदारों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए पेंशन रोकने के आदेश दिये गये हैं। जिन सेवानिवृत्त तहसीलदारों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। इनमें श्री एस.एस. दोहरे ने तहसीलदार अंबाह जिला मुरैना में पदस्थापना के दौरान अपात्र व्यक्तियों को बिना व्यपवर्तन के भूमि आवंटन कर अनियमितता की थी। अनियमितता जांच में प्रमाणित होने पर श्री दोहरे की 25 प्रतिशत पेंशन 5 वर्ष के लिये रोकने की कार्रवाई की गई। दूसरे प्रकरण में श्री वीरेन्द्र कुमार सोनी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख एवं तत्कालीन प्रभारी नायब तहसीलदार नईगढ़ी रीवा के विरूद्ध कार्रवाई की गई। श्री सोनी ने पाला तुषार से रवी फसलों की क्षति के मुआवजा वितरण में अनियमितता की थी।

राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने जाएंगे केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन

विधानसभा में जमा किया नामांकन, सीएम सहित कई भाजपा विधायक बने प्रस्तावक

भोपाल(नप्र)। केंद्रीय राज्य मंत्री और केरल के जॉर्ज कुरियन ने नामांकन दाखिल कर दिया है। विधानसभा में इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, सुरेश पचौरी, फग्गन सिंह कुलस्ते, राजेंद्र शुक्ल, तुलसी सिलावट, राव उदय प्रताप सिंह मौजूद थे। भाजपा ने मंगलवार को कुरियन के नाम की घोषणा की थी। नामांकन का आज आखिरी दिन है।

विधानसभा में बीजेपी का बहुमत देखते हुए कुरियन का राज्यसभा मे निर्विरोध जाना तय है। वे ज्योतिरादित्य सिंधिया के लोकसभा सांसद बनने से खाली हुई सीट पर प्रत्याशी बने हैं। इस सीट पर अप्रैल तक 2026 तक का कार्यकाल बचा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन आज सुबह विशेष विमान से भोपाल आए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वीडी शर्मा के साथ कुरियन मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलने उनके निवास पर पहुंचे। यहां से वे सीएम के साथ भाजपा कार्यालय पहुंचे और नामांकन फॉर्म की ओपचारिकताएं पूरी की। मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्री प्रस्तावक के तौर पर नामांकन पर हस्ताक्षर किए।

निर्विरोध चुने जाएंगे- कुरियन मध्यप्रदेश से पहले क्रिश्चियन सांसद होंगे। कांग्रेस के पास राज्यसभा चुनाव लड़ने के लिए संख्याबल नहीं हैं। ऐसे में कांग्रेस उम्मीदवार नहीं उतारेगी। इसलिए जॉर्ज निर्विरोध चुने जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जटिया, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ला एवं सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते की उपस्थिति में केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन ने बुधवार को विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया।

परीक्षण संभाग बीना उत्कृष्ट कार्यदक्षता के लिए मध्यप्रदेश में प्रथम

भोपाल (नप्र)। एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) परीक्षण संभाग बीना ने परीक्षण एवं संचार के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य दक्षता के लिए मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान हासिल करने का गौरव पाया है। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्यालय जबलपुर में बीना को यह पुरस्कार प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी एवं मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य अभियंता श्री के.के. मूर्ति ने प्रदान किया। परीक्षण संभाग बीना को यह पुरस्कार वर्ष 2023-24 में दक्षता प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) के आधार पर पूरे प्रदेश में परीक्षण संबंधित सर्वोत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिये प्रदान किया गया है। प्रशस्ति पत्र और ट्राफी मुख्य अभियंता श्री प्रवीण गार्गव, कार्यपालन अभियंता श्री अर्चित श्रीवास्तव सहायक अभियंता, श्री रजत जैन ने प्राप्त किया।

चंद्रयान 3 से भारतीयों का सपना पूर्ण हुआ है : मंत्री श्री सिलावट

अंतरिक्ष विज्ञान की नई तकनीक से प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर संरक्षण एवं संवर्धन

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि अंतरिक्ष विज्ञान की नई तकनीक के प्रयोग से हम हमारे प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर संरक्षण एवं संवर्धन कर सकते हैं और हमारा देश एवं प्रदेश अधिक सक्षम और समृद्धिशाली बन सकता है। अंतरिक्ष सूचनाओं के आधार पर आज हम प्रदेश के जल संसाधनों का योजनाबद्ध तरीके से प्रबंधन कर सकते हैं। जल संसाधनों के विकास, योजना निर्माण तथा निर्मित संरचनाओं की निगरानी एवं उनके प्रबंधन में यह विज्ञान अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है। हमें इसका अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रांगण में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त के परिप्रेक्ष्य में 'जल के क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान का उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला का आयोजन जल संसाधन विभाग एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में इसरो सहित अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के वैज्ञानिक, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा जल एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले शोधार्थी शामिल हुए। मंत्री श्री सिलावट ने शोधार्थियों को सम्मानित भी किया। उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। भारत ने 23 अगस्त 2023 को चंद्र दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में अपने चंद्रयान-तीन विक्रम लैंडर को सफलता पूरक उतारा था। भारत की इस महान उपलब्धि के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिवर्ष देश में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह पूर्वक मनाया जाने की घोषणा की गई। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पूरे प्रदेश के महाविद्यालय /विद्यालयों में अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें वैज्ञानिक छात्र संवाद, अंतरिक्ष विज्ञान आधारित कथन, प्रश्नोत्तरी एवं फिल्मों का प्रदर्शन आदि गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि आज भारत में अंतरिक्ष कार्यक्रमों की निरंतर उपलब्धि के चलते समय-समय पर भेजे गए उपग्रहों के माध्यम से हमें कई महत्वपूर्ण सूचनाएं एवं जानकारी प्राप्त हो रही हैं। नदियों के बहाव के साथ-साथ बाढ़ का प्रबंध करने में अंतरिक्ष सूचनाओं से पूर्व-सूचना तंत्र विकसित किया जा रहा है, जो बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिये अति महत्वपूर्ण निर्णय प्रणाली है। अल्प वर्षा की स्थिति में सूखे से निपटने के लिए भी इस तकनीकी से सूखे का आकलन एवं प्रबंधन किया जाना संभव हो पाता है। इस तकनीक से मौसम विज्ञान के क्षेत्र में भी मौसम के सटीक पूर्व -अनुमान प्राप्त हो रहे हैं।

छतरपुर में पुलिस से भिड़े भारत बंद समर्थक...लाठियां चलीं

उज्जैन में दुकानदार से बहस,सतना में शराब दुकान पर टूट पड़े, पांढुर्णा-मंडला में बाजार नहीं खुले

भोपाल (नप्र)। भारत बंद के दौरान छतरपुर में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) संगठनों के सदस्य एक दुकान में जबरदस्ती घुसने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। सीएसपी अमन मिश्रा और टीआई अरविंद कुजूर ने मोर्चा संभाला और हलका बल प्रयोग करते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इस दौरान लाठियां भी चलीं।

उज्जैन में प्रदर्शनकारियों और एक दुकानदार के बीच झूमा-झटकी हो गई। टावर चौक इलाके में प्रदर्शनकारियों ने दुकान बंद करने की बात कही तो दुकानदार ने इनकार कर दिया। इस पर बंद समर्थक दुकान का काउंटर धकेलने लगे। दुकानदार ने आपत्ति जताई। दोनों के बीच बहस होने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

वहीं, पांढुर्णा और मंडला में बाजार पूरी तरह बंद हैं। सतना-भिंड में बंद समर्थकों ने रैली निकाली। ग्वालियर में प्राइवेट स्कूल बंद रहे जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत कई जिलों में स्कूल-कॉलेज खुले। खंडवा-रतलाम में बंद बेअसर दिख रहा है। यहां बाजार पूरी तरह खुल चुका है।

छतरपुर में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झूमा-झटकी

छतरपुर में बाजार बंद कराने निकले प्रदर्शनकारी एक दुकान में जबरदस्ती घुसने की कोशिश करने लगे। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान दोनों पक्षों में झूमा-झटकी हो गई।

हालात बिगड़ते देख सीएसपी अमन मिश्रा और टीआई अरविंद कुजूर ने मोर्चा संभाला और हलका बल प्रयोग करते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा।